हरिभूमि

विराट भूमि

जबलपुर, मंगलवार 10 फरवरी 2026

login : www.haribhoomi.com

शहडोल | बुढ़ार | धनपुरी | ब्यौहारी | जयसिंहनगर | बाणसागर

खबर संक्षेप

शहडोल में जनगणना समन्वय समिति का ऐलान

शहडोल। देश की सबसे बड़ी सांख्यिकीय कवायद जनगणना 2027 को लेकर शहडोल जिला प्रशासन पूरी तरह एक्शन मोड में आ गया है। शासन के कड़े निर्देशों के बाद संयुक्त कलेक्टर ने जिला जनगणना समन्वय समिति के गठन की आधिकारिक घोषणा कर दी है। इस हाई-प्रोफाइल समिति की कमान स्वयं कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी के हाथों में होगी, जो जिले भर में इस महाभियान की सफलता सुनिश्चित करेंगे। कलेक्ट्रेट से जारी आदेशों के अनुसार, अब जनगणना के काम में हिला-हवाली नहीं चलेगी। जिला योजना अधिकारी को संयोजक बनाया गया है, जबकि शिक्षा विभाग, शहरी विकास अभिकरण और जनसंपर्क विभाग के आला अधिकारियों को सदस्य के रूप में मैदान में उतारा गया है। समिति का सीधा लक्ष्य मास्टर ट्रेनर्स की नियुक्ति से लेकर फील्ड स्टाफ के प्रशिक्षण तक की हर कड़ी को समय सीमा में कसना है।

एनआईसी संभालेगा मोर्चा

इस बार की जनगणना डिजिटल क्रांति का गवाह बनेगी। जिला सूचना विज्ञान अधिकारी को पोर्टल प्रबंधन, मोबाइल ऐप संचालन और तकनीकी सहायकों की ट्रेनिंग की कमान सौंपी गई है। शिक्षा विभाग को स्पष्ट कर दिया गया है कि प्रगणकों और पर्यवेक्षकों के रूप में शिक्षकों की उपलब्धता में कोई अड़ंगा न आए। कलेक्टर ने सख्त निर्देश दिए हैं कि तहसीलदारों और सीएमओ जैसे चार्ज अधिकारियों की मॉनिटरिंग के लिए हर माह समिति की बैठक अनिवार्य होगी। खबर साफ़ है कि काम में सुस्ती यानी सीधे कार्रवाई।

महादेव की शिव बारातः 15 फरवरी को मानपुर में होगा ऐतिहासिक आयोजन

मानपुर। खंड पार्थेश्वर महादेव विवाह उत्सव समिति मानपुर के सदस्य सचिन बबलू यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि पूर्व वर्षों की भांति समिति द्वारा इस वर्ष भी दिनांक 15 फरवरी 2026 (रविवार) को महादेव की बारात धूमधाम से निकाली जाएगी।बारात का आयोजन दोपहर 3:00 बजे से फॉरेस्ट ऑफिस शिव मंदिर प्रांगण से शुरू होगा। इस बारात में ढोल नगाड़े और डीजे की धुन पर महादेव की बारात नगर के बस स्टैंड और मुख्य बाजार से होती हुई नगर के हृदय स्थल, पुरानी बाजार रामलीला मैदान पर स्थित काली मंदिर पहुंचेगी। यहां शिव विवाह का आयोजन होगा और महा आरती होगी।समारोह का समापन रात्रि 8 बजे महाप्रसाद के वितरण से होगा। समिति के प्रमुख सदस्य लाला यादव,अनिरुद्ध गुप्ता,बबलू शुक्ला,विकाश शुक्ला,शालू गुप्ता,बसंत नामदेव,शिवम यादव,अनीश विश्वकर्मा,शिवम् नामदेव,और दुर्गेश कुशवाहा ने नगर के सभी शिव भक्तों,माताओं बहनों, समाजसेवियों,और पत्रकार बंधुओं से आग्रह किया है कि वे इस महापर्व में सम्मिलित होकर भगवान भोलेनाथ की शिव बारात में भाग लें और पुण्य लाभ अर्जित करें।

मुख्यमंत्री के आने से 2 घंटे पहले शुरू हुआ आंदोलन, सवालों में जिला कांग्रेस अध्यक्ष

भाजपा की स्क्रिप्ट पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष का आंदोलन

समय से पहले प्रदर्शन, कांग्रेस की रणनीति पर उठे सवाल

शहडोल। मुख्यमंत्री मोहन यादव के धनपुरी दौरे के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी का आंदोलन शुरू होने से पहले ही खत्म हो गया। तय कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री के पहुंचने से करीब डेढ़ घंटे पहले ही कांग्रेस नेताओं ने नारेबाजी कर गिरफ्तारी दे दी। पूरे घटनाक्रम और समयरेखा ने कांग्रेस की रणनीति पर सवाल खड़े कर दिए हैं और जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी की भूमिका चर्चा में है। मुख्यमंत्री मोहन यादव के 8 फरवरी के धनपुरी दौरे को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी ने बड़े आंदोलन का ऐलान किया था। एक सप्ताह पहले से ही जिला कांग्रेस अध्यक्ष अजय अवस्थी ने प्रेस विज्ञप्तियां जारी कर विभिन्न मुद्दों को लेकर विरोध प्रदर्शन की घोषणा की। उन्होंने वाटर पार्क में भ्रष्टाचार, अधूरे निर्माण, दूषित पानी की सप्लाई और अवैध कोयला खनन जैसे मुद्दों को उठाते हुए मुख्यमंत्री को काले झंडे दिखाने और घेराव की बात कही थी। अजय अवस्थी ने कोयलांचल क्षेत्र के आमजन और कांग्रेस के सभी अनुसांगिक संगठनों से आंदोलन में शामिल होने की अपील भी की थी। दावा किया गया था कि यह विरोध प्रदर्शन ऐतिहासिक होगा और मुख्यमंत्री के सामने जोरदार तरीके से मुद्दे उठाए जाएंगे, लेकिन 8 फरवरी को जो घटनाक्रम सामने आया, उसने कांग्रेस के दावों पर ही सवाल खड़े कर दिए।

11 बजे आंदोलन, 11:30 पर थाने

सुबह करीब 11 बजे बुढार में कांग्रेस कार्यकर्ता जनपद कार्यालय परिसर में इक_ा हुए। वहां कुछ समय तक जिंदाबाद-मुर्दाबाद के नारे लगे और थोड़ी देर बाद सडक़ पर आकर प्रतीकात्मक प्रदर्शन किया गया। पुलिस ने उन्हें वहीं रोक लिया, कुछ फोटो और वीडियो बनाए गए और इसके बाद कांग्रेस नेताओं को बस में बैठाकर थाने ले जाया गया। जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी के फेसबुक लाइव में गिरफ्तारी का समय लगभग 11:30 बजे बताया गया।

गिरफ्तारी के बाद पहुंचे मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री मोहन यादव का कार्यक्रम देखें तो वे भोपाल से 10:59 बजे हेलीकॉप्टर से रवाना हुए और 12:43 बजे बुढार के लालपुर हवाई अड्डे पर उतरे। लगभग 1 बजे उनका काफिला बुढार नगर में पहुंचा और 2:25 बजे वापसी के लिए रवाना हुआ। इस समयरेखा के अनुसार कांग्रेस का प्रदर्शन मुख्यमंत्री के पहुंचने से काफी पहले ही शुरू होकर खत्म भी हो गया। यही वह बिंदु है, जिसने पूरे आंदोलन को लेकर राजनीतिक चर्चाओं को हवा दे दी है। सवाल उठ रहे हैं कि जब मुख्यमंत्री क्षेत्र में पहुंचे ही नहीं थे, तब कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन और गिरफ्तारी की जल्दबाजी क्यों की। जिस विरोध को मुख्यमंत्री के सामने करना था, वह उनके आने से पहले ही समाप्त हो गया।

मजबूत नहीं थी आंदोलन की तैयारी

दिलचस्प बात यह भी रही कि कांग्रेस के कई प्रमुख स्थानीय नेता इस आंदोलन में नजर नहीं आए। न तो ब्लॉक स्तर के कई पदाधिकारी दिखे और न ही कई वरिष्ठ नेता मौके पर मौजूद थे। इससे यह संदेश गया कि आंदोलन की तैयारी उतनी मजबूत नहीं थी, जितनी प्रचारित की गई थी। राजनीतिक हलकों में यह चर्चा भी जोरों पर है कि इस पूरे घटनाक्रम ने कांग्रेस की रणनीति पर सवाल खड़े कर दिए हैं। भाजपा समर्थक इसे कांग्रेस की अंदरूनी कमजोरी और असंगठित नेतृत्व का उदाहरण बता रहे हैं। उनका कहना है कि अगर विपक्ष का आंदोलन इस तरह समय से पहले ही खत्म हो जाए, तो सत्तापक्ष को किसी अलग रणनीति की जरूरत ही नहीं पड़ती।

शांतिपूर्ण संपन्न हुआ कार्यक्रम

कई स्थानीय राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कांग्रेस को जमीनी स्तर पर मजबूत संगठन और ठोस रणनीति की जरूरत है। केवल प्रेस विज्ञप्तियों और सोशल मीडिया पोस्ट के सहारे आंदोलन खड़ा करने की कोशिश अंततः उलटी पड़ सकती है। इस घटनाक्रम ने यह संदेश दिया कि संगठनात्मक तैयारी के बिना बड़े दावे करना राजनीतिक रूप से नुकसानदेह साबित हो सकता है। वहीं भाजपा खेमे में इस पूरे मामले को लेकर संतोष का माहौल देखा गया। उनका मानना है कि मुख्यमंत्री का दौरा शांतिपूर्ण रहा और विकास कार्यों के कार्यक्रम बिना किसी बड़े व्यवधान के संपन्न हुए। भाजपा नेता इसे अपनी संगठनात्मक मजबूती और प्रशासनिक समन्वय का परिणाम बता रहे हैं। कुल मिलाकर, मुख्यमंत्री के दौरे से ज्यादा चर्चा कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन की समयरेखा को लेकर हो रही है। सवाल अब भी यही है कि क्या यह आंदोलन जल्दबाजी में किया गया राजनीतिक कदम था या फिर रणनीतिक चूक का नतीजा। फिलहाल इस पूरे प्रकरण ने जिला कांग्रेस अध्यक्ष अजय अवस्थी की कार्यशैली को राजनीतिक बहस के केंद्र में ला दिया है।

विवि प्रशासन की लापरवाही पर भड़की एनएसयूआई

कुलपति को घेरा, दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

शहडोल। पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय में व्याप्त अव्यवस्थाओं और छात्र हितों की अनदेखी के खिलाफ आज भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) ने हुंकार भरी। जिला अध्यक्ष सौरभ तिवारी के मार्गदर्शन एवं जिला उपाध्यक्ष आशीष द्विवेदी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने कुलपति को ज्ञापन सौंपकर विश्वविद्यालय प्रशासन की कुंभकर्णी नींद तोडऩे का प्रयास किया।

तीन साल से डिग्री का इंतज़ार

ज्ञापन में सबसे गंभीर मुद्दा छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ का उठा। एनएसयूआई ने कड़े शब्दों में आपत्ति दर्ज कराई कि तीन साल पहले डिग्री पूरी कर चुके छात्रों को आज तक मार्कशीट की हार्ड कॉपी नसीब नहीं हुई है। आखिर विवि प्रशासन छात्रों के पसीने की कमाई और उनके समय की कीमत कब समझेगा? इसके साथ ही, प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के रिवाल्यूएशन परिणाम में हो रही अनावश्यक देरी पर भी रोष व्यक्त किया गया। परिणाम आए तीन माह बीत चुके हैं, लेकिन विवि का सुस्त सिस्टम छात्रों को अधर में लटकाए हुए है।

नरक से बदतर ओल्ड कैंपस

विश्वविद्यालय के ओल्ड कैंपस की स्थिति पर प्रहार करते हुए छात्र नेताओं ने कहा कि यहाँ का परिसर बदहाली का पर्याय बन चुका है। गर्ल्स कॉमन रूम और वॉशरूम की गंदगी विवि की कार्यप्रणाली पर तमाचा है। कैंपस में स्वच्छ पेयजल के लिए नए वाटर कूलर लगाने और जर्जर हो चुके ब्लैक बोड्र्स को तत्काल बदलने की मांग की गई। साथ ही, नई शिक्षा नीति के दौर में पुस्तकालय में संबंधित पुस्तकों का अकाल विवि की शैक्षणिक गुणवत्ता पर सवाल खड़े करता है।

सुधरें हालात, वरना होगा आर-पार का संग्राम

एनएसयूआई ने चेतावनी दी है कि यदि विश्वविद्यालय की साफ-सफाई, पुताई, प्राथमिक चिकित्सा सुविधा और परीक्षा परिणामों से जुड़ी मांगों पर तत्काल कार्रवाई नहीं हुई, तो छात्र चुप नहीं बैठेंगे। जिला उपाध्यक्ष आशीष द्विवेदी ने दो टूक कहा कि विवि प्रशासन छात्रों के धैर्य की परीक्षा लेना बंद करे, अन्यथा संगठन तालाबंदी और उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

इनकी रही मौजूदगी

कार्यक्रम के दौरान प्रमुख रूप से एनएसयूआई जिलाध्यक्ष सौरभ तिवारी, जिला उपाध्यक्ष आशीष द्विवेदी, जिलाउपाध्यक्ष सिमरन कौर, विश्विद्यालय अध्यक्ष दीपांशु गुप्ता, आईटीसेल जिलाध्यक्ष महेंद्र यादव, ओम साहू, शुभम सेन, कृतेन्द्र, देवराज, अजय बैगा, पियूष सिंह बघेल, अर्पित सेन, हर्षित श्रीवास्तव, धनंजय सिंह, लंकी गुप्ता सहित काफी संख्या में एनएसयूआई के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बेटियों के हाथ में मिली सुरक्षा की चाबी

300 छात्राओं के बने लाइसेंस

शहडोल। सडक़ पर नारी शक्ति की धमक अब और भी सुरक्षित और कानूनी होगी। संभागीय मुख्यालय स्थित शासकीय इंदिरा गांधी गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित पिंक ड्राइविंग लाइसेंस कैंप ने सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। महिला बाल विकास और परिवहन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में महाविद्यालय की 300 से अधिक छात्राओं के लर्निंग लाइसेंस बनाकर उन्हें सशक्त बनाया गया।

सुरक्षा को बताया सर्वोपरि

जिला परिवहन अधिकारी श्रीमती अनपा खान ने कैंप में छात्राओं को केवल लाइसेंस थमाया ही नहीं, बल्कि ट्रैफिक नियमों की सख्त क्लास भी ली। उन्होंने दो-टूक शब्दों में कहा कि लाइसेंस केवल एक कार्ड नहीं, बल्कि सडक़ पर सुरक्षित चलने की जिम्मेदारी है। छात्राओं को सारथी पोर्टल के जरिए ऑनलाइन आवेदन से लेकर स्थायी लाइसेंस की 180 दिनों की समय-सीमा तक की पूरी प्रक्रिया बारीकी से समझाई गई।

अब बिना डर के दौड़ाएंगी गाडिय़ां

अक्सर जानकारी के अभाव में छात्राएं बिना लाइसेंस के वाहन चलाती थीं, लेकिन इस कैंप ने उनके कानूनी रास्ते को साफ कर दिया है। आरटीओ ने अपील की है कि सुरक्षित ड्राइविंग ही जीवन का आधार है। 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुकी युवतियों के लिए यह शिविर किसी वरदान से कम साबित नहीं हुआ। मौके पर ही 300 लर्निंग लाइसेंस जारी कर परिवहन विभाग ने अपनी सक्रियता का परिचय दिया है, कैंप में अध्यक्ष, बाल कल्याण समिति श्रीमती कल्याणी बाजपेई, सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग श्रीमती संजीता भगत, डॉ. सुनीता सिंह मरकाम, डॉ. यमुना धुर्वे, सुश्री सविता बैगा सहित महाविद्यालय के अन्य प्रोफेसर एवं छात्राएं उपस्थित रही।

शहडोल स्वास्थ्य विभाग में भर्ती घोटाला

ब्लैकलिस्टेड कंपनी के जरिए अपनों को रेवड़ी

सभापति ने कमिश्नर से की भर्ती निरस्त करने की मांग!

बिना विज्ञापन चोरी-चोरी बांट दी सरकारी नौकरियां

शहडोल। जिले के स्वास्थ्य विभाग में आउटसोर्स भर्तियों के नाम पर एक ऐसा सिंडिकेट सक्रिय है, जिसने नियम, कायदे और पारदर्शिता की सरेआम धज्जियां उड़ा दी हैं। जनपद पंचायत जयसिंहनगर के सभापति (स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास) एडवोकेट राजेश मिश्रा ने कमिश्नर शहडोल को शिकायती पत्र सौंपकर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी पर गंभीर आरोप जड़े हैं। आरोप है कि जिले के उप स्वास्थ्य केंद्रों में ग्रुप सी और डी के पदों पर भर्तियां किसी पारदर्शी प्रक्रिया से नहीं, बल्कि एक अज्ञात और ब्लैकलिस्टेड कंपनी के जरिए दलालों के इशारे पर की गई हैं।

ब्लैकलिस्टेड कंपनी और अदृश्य दफ्तर का खेल

शिकायती पत्र में खुलासा किया गया है कि भर्तियां कृष्णा सिक्योरिटी सर्विस नामक एजेंसी के माध्यम से कराई गई हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि सूत्रों के अनुसार यह एजेंसी सालों पहले ब्लैकलिस्ट हो चुकी है और शहडोल जिले में इसका अनुबंध भी काफी समय पहले समाप्त हो चुका है। इतना ही नहीं, जिले में इस कंपनी का कोई वजूद या कार्यालय तक ज्ञात नहीं है, फिर भी इसे करोड़ों के टेंडर और भर्तियां कैसे सौंप दी गईं, यह सीधे तौर पर भ्रष्टाचार की दुर्गंध फैला रहा है।

बिना विज्ञापन चोरी-चोरी बांटी गई नौकरियां

अक्सर सरकारी नौकरियों के लिए ढोल पीटा जाता है, लेकिन यहां खेल गुपचुप हुआ। सभापति का आरोप है कि बगैर किसी सार्वजनिक विज्ञापन के चोरी-छिपे ग्रुप सी और डी के पदों को भर दिया गया। भर्ती नियमों को दरकिनार कर केवल दलालों के माध्यम से लेन-देन को बढ़ावा दिया गया है, यह उन शिक्षित बेरोजगारों के साथ भद्दा मजाक है जो सालों से सरकारी नौकरियों की बाट जोह रहे हैं।

कलेक्टर की जांच को भी ठेंगा!

मामला तब और गंभीर हो जाता है जब यह पता चलता है कि वर्ष 2025 में भी इन भर्तियों में अनियमितता की खबरें आई थीं, जिस पर कलेक्टर शहडोल ने जांच की बात कही थी। लेकिन प्रशासन की सुस्ती का फायदा उठाकर स्वास्थ्य विभाग ने कोर्ट की कार्यवाही या जांच का इंतजार किए बिना नई भर्तियां भी कर डालीं। यह प्रशासनिक ढिठाई की पराकाष्ठा है। राजेश मिश्रा ने कमिश्नर से मांग की है कि इस पूरे भर्ती कांड की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए और वर्तमान में की गई तमाम फर्जी भर्तियों को तत्काल निरस्त कर वैधानिक तरीके से पुनः प्रक्रिया शुरू की जाए।

कारोबारी जगत में सेंट्रल बैंक की धमक

शहडोल और कोतमा में मेगा कैंप 115 उद्यमियों को बांटे 55 करोड़ के ऋण

शहडोल। आत्मनिर्भर भारत के सपने को पंख देने और स्थानीय कारोबारियों की वित्तीय रीढ़ मजबूत करने के लिए सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने बड़ा दांव खेला है। बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा शहडोल और कोतमा क्लस्टरों में मेगा एमएसएमई आउटरीच कैंप का जोरदार आयोजन किया गया। क्षेत्रीय प्रमुख एम.के. श्रीवास्तव की अगुवाई में आयोजित इस महा-अभियान में न केवल सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई, बल्कि मौके पर ही 55 करोड़ रुपये से अधिक की ऋण राशि स्वीकृत कर उद्यमियों के उत्साह को दोगुना कर दिया गया।

शहडोल और कोतमा में जुटा व्यापारिक कुनबा

शहडोल क्लस्टर में आयोजित कार्यक्रम में जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक के.एस. सोलंकी और एलडीएम अमित कुमार चौरसिया ने शिरकत की। वहीं, कोतमा में अनूपपुर एलडीएम दिलीप निगम और शाखा प्रबंधक संतोष कुमार ने मोर्चा संभाला। स्थानीय व्यापारी संघ के प्रतिनिधियों और पूर्व जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी ने इस आयोजन को एक बड़े व्यापारिक समागम में बदल दिया। वक्ताओं ने दो-टूक शब्दों में कहा कि अब पूंजी के अभाव में किसी उद्यमी का सपना नहीं टूटेगा।

आर्थिक तरक्की को मिलेगी रफ्तार

कैंप की सबसे बड़ी उपलब्धि 115 लाभार्थियों को प्रदान की गई वित्तीय सहायता रही। सूक्ष्म, लघु और मध्यम श्रेणी के उद्योगों को सशक्त बनाने के लिए बैंक ने रिकॉर्ड ऋण वितरण किया। क्षेत्रीय प्रमुख श्री श्रीवास्तव ने स्पष्ट संदेश दिया कि सेंट्रल बैंक महज एक वित्तीय संस्थान नहीं, बल्कि उद्यमियों का सहभागी है। सरकारी सब्सिडी योजनाओं और रियायती ऋण सुविधाओं के जरिए व्यापारियों को बिचौलियों के चक्करों से मुक्त कराकर सीधे बैंकिंग सिस्टम से जोड़ा गया है।

आत्मनिर्भरता की ओर मजबूत कदम

क्षेत्रीय प्रमुख ने अपने संबोधन में आक्रामक रुख अपनाते हुए कहा कि बैंक निरंतर ऐसे आउटरीच कैंपों के माध्यम से वित्तीय समावेशन के दायरे को बढ़ा रहा है। इस मेगा अभियान में उमड़ी व्यापारियों की भारी भीड़ यह बताने के लिए काफी है कि जिले का एमएसएमई सेक्टर अब करवट बदल रहा है। बैंक की इस सक्रियता से स्थानीय बाजार में नई जान आने की उम्मीद है।

खबर संक्षेप

23 फरवरी से ब्लाक स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक

उमरिया। लीड बैंक प्रबंधक ने बताया कि ब्लाक स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक 23 फरवरी से प्रारंभ होगी । उन्होने बताया कि 23 फरवरी को जनपद पंचायत कार्यालय पाली सभाकक्ष में, करकेली विकासखंड कि 24 फरवरी को जिला पंचायत कार्यालय उमरिया सभाकक्ष तथा मानपुर विकासखंड कि 25 फरवरी को मानपुर सभाकक्ष में बैठक का आयोजन किया गया है। बैठक सायं 4 बजे से प्रारंभ होगी। उन्होंने कहा है कि ब्लॉक में कार्यरत सम्बन्धित सभी बैंकों के शाखा प्रबंधकों एवं विभाग प्रमुखों से कहा है कि, बैठक में समस्त जानकारी के साथ उपस्थित होना सुनिश्चित करें, जिससे की बैठक सार्थक एवं उद्देश्य पूर्ण हो सके।

परीक्षा केन्द्रों कि 100 मीटर की चतुर्दिक परिधि पर निषेधाज्ञा पारित

उमरिया। हाई स्कूल/हायर सेकेण्डरी की स्वाध्यायी एवं नियमित परीक्षा 10 फरवरी 2026 एवं 13 फरवरी 2026 से प्रारंभ होकर 6 मार्च 2026 एवं 7 मार्च 2026 तक संचालित रहेंगी। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी धरणेन्द्र कुमार जैन ने परीक्षा केन्द्रों की 100 मीटर की चतुर्दिक परिधि के अंतर्गत भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत निषेधाज्ञा पारित करते हुए कहा है कि कोई भी व्यक्ति समस्त परीक्षा केन्द्रों की 100 मीटर की चतुर्दिक परिधि के समीप किसी भी प्रकार का अस्त्र-शस्त्र नहीं ले जा सकेगा। कोई भी व्यक्ति परीक्षा केन्द्रों की 100 मीटर की परिधि के अंदर ईंट, पत्थर, जिनमें उनके टुकडे भी सम्मिलित हैं, संग्रहीत नहीं करेगा, न ही करवाएगा, और न ही संग्रहीत कराने का दुष्प्रेरण करेगा। परीक्षा केन्द्र स्थल तथा उसके 100 मीटर की परिधि के अंदर ड्यूटी में तैनात कर्मियों के अलावा कोई भी व्यक्ति किसी भी उद्देश्य से प्रवेश नहीं करेगा। संपूर्ण उमरिया जिले अंतर्गत लाउड स्पीकर का उपयोग करना, डीजे बजाना, आतिशबाजी करना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा एवं आवश्यकतानुसार संबंधित अनुविभागीय दण्डाधिकारी की अनुमति उपरांत ही डीजे वाद्ययंत्र को छोडकर अन्य ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग धीमी गति से कर सकेंगे। यह आदेश परीक्षा कर्तव्य पर उपस्थित मजिस्ट्रेट, पुलिसबल, शसस्त्रबल तथा परीक्षा कार्य सेवा से जुड़े अधिकारियों/कर्मचारियों पर नहीं होगा।

कमीशनखोरी की भूख या नियमों की अनदेखी

फुटबॉल प्रतियोगिता के नाम पर खेलो भ्रष्टाचार

करोड़ों के फर्जी बिलों पर फंसा पेंच, दांव पर सीईओ की साख

सत्यापन समिति के सामने घुटने टेकती प्रशासनिक नैतिकता

उमरिया। बीते माह जिले में संपन्न हुई राष्ट्रीय शालेय फुटबॉल प्रतियोगिता अब खेल कौशल के लिए नहीं, बल्कि वित्तीय बेईमानी और प्रशासनिक रार के लिए याद की जाएगी। सूत्र बताते हैं कि आयोजन के नाम पर शासन की गाइडलाइन को रद्दी की टोकरी में फेंककर जो मनमानी की गई, अब उसके भुगतान के लिए जिला पंचायत सीईओ अभय सिंह ओहरिया एड़ी-चोटी का जोर लगा रहे हैं। आलम यह है कि सरकारी धन की बंदरबांट करने के लिए एक ऐसी साजिश रची जा रही है, जिससे जिले का प्रशासनिक ढांचा ही हिल गया है।

एडीएम की ईमानदारी बनी सीईओ की राह का कांटा

कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने प्रतियोगिता के खर्चों की जांच और सामग्री के भौतिक सत्यापन के लिए अपर कलेक्टर की अध्यक्षता में एक समिति गठित की थी। जब भ्रष्टाचार की दुर्गंध फैली, तो एडीएम ने सख्ती दिखाते हुए भंडार क्रय नियमों का पालन और सामग्री का सत्यापन मांगा, लेकिन आयोजनकर्ताओं ने न तो जानकारी दी और न ही सामग्री दिखाई। नतीजा यह हुआ कि बिना सत्यापन रिपोर्ट के ट्रेजरी ने बिलों को ठेंगा दिखा दिया और फाइलें वापस कर दीं। अब अपनी साख और मंसूबों को बचाने के लिए सीईओ साहब इस कदर बेताब हैं

कि वे एडीएम से ही भिड़ गए हैं।

मर्यादा भूल गए जिम्मेदार

जिले के सरकारी महकमे में उस वक्त सन्नाटा खिंच गया, जब साप्ताहिक समीक्षा बैठक के दौरान सीईओ और एडीएम के बीच तीखी बहस और तनातनी सरेआम हो गई। एक आईएएस स्तर के अधिकारी से जिस गरिमा की उम्मीद की जाती है, वह बिलों के भुगतान के दबाव में कहीं खो गई। चर्चा है कि जब सीईओ अपने हथकंडों में सफल नहीं हुए, तो अब वे एडीएम को ही सत्यापन समिति से बायकॉट करने या समिति भंग कराने की नई साजिश रच रहे हैं। आखिर इन बिलों में ऐसा क्या काला है, जिसे छिपाने के लिए सीईओ इतने उतावले हैं।

सत्ताधारी दल ने खोला मोर्चा

इस महा-घोटाले की गूंज अब राजनैतिक गलियारों में भी तेज है। भाजपा के वरिष्ठ नेता मिथिलेश पयासी और जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र तिवारी ने सीधे तौर पर भ्रष्टाचार के आरोप जड़ दिए हैं। भाजपा नेताओं का स्पष्ट कहना है कि जो प्रतियोगिता अधिकतम 10 लाख रुपये में गरिमापूर्ण तरीके से हो सकती थी, उसके लिए नियमों की धज्जियां उड़ाकर अनाप-शनाप बिल बनाए गए हैं। यह शासन की राशि का खुला बंदरबांट है। नेताओं ने इस मामले की शिकायत मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री कार्यालय तक भेज दी है। मांग की गई है कि जब तक उच्च स्तरीय जांच न हो, तब तक एक रुपये का भी भुगतान न किया जाए।

सवालों के घेरे में नोडल अधिकारी

प्रतियोगिता के नोडल अधिकारी होने के नाते क्या सीईओ की यह जिम्मेदारी नहीं थी कि हर खर्च पारदर्शी हो, क्या उन्हें शासन के भंडार क्रय नियम का ज्ञान नहीं है या फिर जानबूझकर नियमों को ताक पर रखा गया ताकि पसंदीदा वेंडरों को उपकृत कर कमीशन का खेल खेला जा सके। उमरिया जिला अब यह देख रहा है कि एक तरफ नियम और ईमानदारी के पैरोकार एडीएम हैं, तो दूसरी तरफ रसूख और दबाव की राजनीति करने वाले सीईओ। क्या कलेक्टर अपने अधीनस्थ अधिकारियों के इस टकराव को सुलझा पाएंगे या फिर भ्रष्टाचार की यह फाइल किसी साजिश के तहत दबा दी जाएगी।

कलेक्टर की अध्यक्षता में समय सीमा की बैठक संपन्न

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में समय सीमा की साप्ताहिक बैठक संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए कहा कि सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों का शत प्रतिशत निराकरण करते हुए ए ग्रेड मे आना सुनिश्चित करें। बैठक में उन्होंने मुख्यमंत्री निवास से प्राप्त आवेदनों, आयुक्त शहडोल संभाग कार्यालय से प्राप्त आवेदनो तथा जनसुनवाई,न्यायालयीन प्रकरणों, मानवाधिकार के पत्रों, फैक्ट न्यूज आदि की समीक्षा करते हुए जिला प्रमुख अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी दायित्वों का निर्वहन समय सीमा में अनिवार्य रूप से करें।

कलेक्टर ने संकल्प से समाधान के तहत प्राप्त होने वाले आवेदनों की समीक्षा करते हुए कहा कि आवेदनो को प्राप्त करने के साथ ही उसे निराकृत भी करें । सेक्टर आफीसर नियमित रूप से मानीटरिंग करें। उन्होंने कहा कि 10 फरवरी से हायर सेकेण्डरी की परीक्षाएं प्रारंभ हो रही है । परीक्षा के लिए जो कलेक्टर प्रतिनिधि नियुक्त किए गए है, वे पूरे कर्तव्यनिष्ठा के साथ सौपे गये दायित्वों का निर्वहन करें। संपूर्ण अभियान के तहत निर्धारित 6 पैरामीटर में शत प्रतिशत सेचुरेशन लाने के निर्देश दिए। उज्जवला योजना 3.0 में जन मन हितग्राहियों को लाभ प्रदाय करने के निर्देश दिए । ई आफिस के माध्यम से संपूर्ण पत्राचार करने के निर्देश दिए गए । इसके साथ ही सुकन्या समृध्दि योजना में शत प्रतिशत सेचुरेशन लाने के निर्देश दिए गए ।

बैठक में सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह,अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता,संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया,एसडीएम मानपुर हरनीत कौर कलसी, एसडीएम बांधवगढ अंबिकेश प्रताप सिंह, एसडीएम पाली मीनाक्षी इंगले,डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज सहित अन्य जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

फाइलेरिया से बचाव हेतु दवाई का सेवन ही सशक्त माध्यमः कलेक्टर

आज से प्रारंभ होगा फाइलेरिया उन्मूलन अभियान

उमरिया। डी.ई.सी. एल्बेंडाजोल आइवरमेक्टिन की गोली का सेवन करने से मनुष्य के शरीर में स्थित फाइलेरिया के कृमि नष्ट हो जाते हैं जिससे यह बीमारी एक से दूसरे व्यक्ति में नहीं फैलती। दवा खाने से कृमि के मरने पर बुखार, उल्टी, सिर दर्द या चक्कर आ सकते हैं, जो कि दवा का प्रतिकूल प्रभाव है और ये लक्षण कुछ समय के बाद स्वयं समाप्त हो जाते हैं। फाइलेरिया से बचाव हेतु दवाई का सेवन करना ही सशक्त माध्यम से है । उक्त आशय के विचार कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने फाइलेरिया उन्मूलन के लिए 10 फरवरी से पाली विकासखंड में प्रारंभ हो रहे अभियान की समीक्षा करते हुए व्य क्त किए। उन्होंने कहा कि फाइलेरिया रोग से बचाव के लिए डी.ई.सी. की गोली की सालाना खुराक सभी पात्र व्यक्तियों को लेना आवश्यक है। उन्होने अपील करते हुए वे स्वयं दवा का सेवन करें तथा अपने परिवार एवं आस-पास के लोगों को भी दवा सेवन के लिए प्रेरित करें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा व्ही एस चंदेल ने बताया कि उमरिया जिले के पाली विकासखंड में 10 से 24 फरवरी 2026 तक एमडीए अभियान चलाया जाएगा। अभियान के दौरान एक लाख से अधिक लोगो को डीईसी , एलवेंडाजोल एवं आईवरमेक्टिन की गोली उंचाई अनुसार सेवन कराई जाएगी । उन्होने बताया कि 10 से 13 फरवरी तक बूथ बनाकर स्कूएल, कालेज एवं हास्टल मे दवा का सेवन कराया जाएगा। 14 से 19 फरवरी तक घर घर भ्रमण कर दवा का सेवन तथा 21 से 24 फरवरी तक छूटे हुए लोगो को दवा का सेवन कराया जाएगा । दवा सेवक, अपने समक्ष में ही दवा का सेवन कराएंगे । दवा गर्भवती मताओ, अत्याधिक वृध्द तथा गंभीर रूप से पीडित व्यक्तियो को नही खिलाई जाएगी ।

बैठक में सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह,अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता,संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया, एसडीएम मानपुर हरनीत कौर कलसी, एसडीएम बांधवगढ अंबिकेश प्रताप सिंह, एसडीएम पाली मीनाक्षी इंगले, डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज सहित अन्य जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

रेत का परिवहन करते दो वाहन जब्त

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन द्वारा खनिज के अवैध उत्खनन , परिवहन, भंडारण पर रोक लगाने के निर्देश दिए गए है। निर्देश के परिपालन में प्रभारी अधिकारी डॉ. विद्याकांत तिवारी, सहायक खनि अधिकारी दिवाकर चतुर्वेदी, खनि निरीक्षक प्रभात कुमार पट्टा एवं प्रभारी खनि निरीक्षक एन.एस. आर्मी की टीम द्वारा कुल 2 वाहनों को जप्त किया गया है, जिसमें तहसील चंदिया अंतर्गत गणेशपुर मार्ग खैरभार रोड पर वाहन क्रमांक एम पी 21जी1800 जिसके वाहन चालक सोमनाथ यादव पिता नन्दीलाल यादव पता ग्राम बसाडी थाना बडवारा जिला कटनी (म.प्र.) एवं वाहन क्रमांक ओ डी 35ई7722 जिसके वाहन चालक मनोज महोबिया पिता लख्खूलाल महोबिया, निवासी ग्राम निपनिया तहसील पनागर जिला जबलपुर (म.प्र.) को मय खनिज रेत के अवैध परिवहन में जप्त किया गया। दोनों प्रकरणों में म.प्र. खनिज अवैध (खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 में निहित प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जा रही है तथा अमले द्वारा लगातार सघन जाँच की जा रही है।

मांगें नहीं मानी गईं तो 23 फरवरी से आंदोलन

एसईसीएल जमुना कोतमा क्षेत्र को दी गई चेतावनी

बदरा/जमुना। कोयला खदान श्रमिक संगठन, जमुना कोतमा क्षेत्र ने औद्योगिक विवाद अधिनियम की धारा 22 के तहत क्षेत्र की लंबित एवं ज्वलंत समस्याओं को लेकर एसईसीएल प्रबंधन को नोटिस जारी किया है संगठन के महामंत्री रोशन उपाध्याय ने कहा कि बार-बार बैठकें होने और सहमति बनने के बावजूद आज दिनांक तक श्रमिकों से जुड़ी गंभीर समस्याओं का निराकरण नहीं किया गया है, जिससे कर्मचारियों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

प्रमुख मांगें

कोयला खदान श्रमिक संगठन द्वारा वर्ष 2025-26 की लंबित पदोन्नति तत्काल जारी करने, 9 दिसंबर की कंपनी स्तरीय बैठक के निर्णय अनुसार उच्च पद रिक्त होने की स्थिति में निचले पद से पदोन्नति करने, सर्वेयर ग्रेड। 1 कर्मचारियों को नॉशनल सीनियरिटी देने, जमुना कोतमा क्षेत्र की समस्त कॉलोनियों में बिजली, पानी, सफाई एवं स्ट्रीट लाइट व्यवस्था दुरुस्त करने, आवासों की मरम्मत एवं दरवाजा खिड़की जैसे लंबित कार्य पूर्ण कराने, अनफेयर लेबर प्रैक्टिस पर तत्काल रोक लगाने, सामुदायिक भवनों, क्लबों एवं खेल मैदानों के निर्माण व जीर्णोद्धार, जमुना फिल्टर रोड की जर्जर पुलिया हटाकर सुरक्षित सड़क निर्माण, श्रमिकों को नियमानुसार पानी की बोतल उपलब्ध कराने, लंबित चश्मा, टी.ए. एवं मॉडिकल बिल का शीघ्र भुगतान, बरतराई खदान सहित सभी खानों में पी.एस. 5 से संबंधित लंबित राशि जमा कराने, आवास समिति के निर्णय अनुसार पूर्ण आवंटन करने, एसओपी जारी होने के बाद भी श्रमिकों को परेशान किए जाने पर रोक लगाने तथा सभी खानों में समान व्यवहार सुनिश्चित करने की मांग की गई है। संगठन के महामंत्री रोशन उपाध्याय ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि 14 दिवस के भीतर मांगों पर ठोस एवं सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई, तो संगठन 23 फरवरी से एसईसीएल महाप्रबंधक कार्यालय, जमुना कोतमा क्षेत्र के समक्ष आंदोलनात्मक कार्रवाई करने को बाध्य होगा आंदोलन के दौरान गेट मीटिंग, क्रमिक भूख हड़ताल एवं कोल परिवहन बंद जैसे कदम उठाए जा सकते हैं, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी प्रबंधन की होगी।

दी गई सूचना

इस आंदोलन संबंधी सूचना एसईसीएल बिलासपुर के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, निदेशक (मानव संसाधन), महाप्रबंधक (कार्मिक/प्रशासन), सहायक श्रम आयुक्त (केंद्रीय) शहडोल, अनुविभागीय अधिकारी कोतमा, जिला अनूपपुर, थाना प्रभारी भालूमाड़ा/कोतमा/राजनगर, अखिल भारतीय खदान मजदूर संघ नागपुर, क्षेत्रीय एवं कंपनी कल्याण समिति के पदाधिकारियों सहित जमुना कोतमा क्षेत्र के संबंधित प्रशासनिक एवं औद्योगिक अधिकारियों को दी गई है।

वन विभाग से संबंधित समस्याओं का निराकरण अधिकारी आपसी सामंजस्य से कराएं : कलेक्टर

अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने कलेक्टर कार्यालय के नर्मदा सभागार में आयोजित समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में जिले के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वन विभाग से संबंधित समस्याओं का निराकरण आपसी सामंजस्य के साथ किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे वन मंडलाधिकारी से समन्वय स्थापित कर वन भूमि से संबंधित प्रकरणों, निर्माण कार्यों एवं विकास योजनाओं की जानकारी साझा करें, ताकि विकास कार्यों को गति प्रदान की जा सके। बैठक में कलेक्टर पंचोली ने जिले की स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा करते हुए सिविल सर्जन को निर्देश दिए कि जिला चिकित्सालय की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं एवं गतिविधियों का समय-समय पर सतत निरीक्षण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जिला चिकित्सालय में चिकित्सा सुविधाओं का बेहतर विस्तार किया जाए तथा 'परख ऐप' का गंभीरता के साथ प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर पंचोली ने महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा करते हुए आंगनबाड़ी केंद्रों के हितग्राहियों, गर्भवती महिलाओं, धात्री महिलाओं सहित 0 से 6 माह, 6 माह से 3 वर्ष एवं 3 से 6 वर्ष के बच्चों का एफआरएस तथा ई-केवाईसी एवं आधार सत्यापन की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि आधार सहित अन्य तकनीकी समस्याओं के निराकरण हेतु अभियान मोड में गांव-गांव कैंप आयोजित की जाए। साथ ही आंगनबाड़ी केंद्रों की संचालन गतिविधियों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर पंचोली ने अमरकंटक में महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित होने वाले पांच दिवसीय मेले की तैयारियों पर भी विस्तृत चर्चा की। उन्होंने मेले की व्यवस्थाओं, मजिस्ट्रेटियल ड्यूटी, सुरक्षा, स्वच्छता एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग से जिले में निर्धारित तिथियों में आयोजित होने वाले सामूहिक विवाहों के संबंध में भी जानकारी प्राप्त कर विवाह हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस दौरान कलेक्टर पंचोली ने बताया कि अप्रैल माह से जनगणना कार्य प्रारंभ होगा। जिन अधिकारियों की ड्यूटी लगाई जाएगी, वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ करें। इसके अतिरिक्त, कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों का समय-सीमा में निराकरण किया जाए तथा शिकायतकर्ताओं से दूरभाष पर संवाद स्थापित कर प्राथमिकता के आधार पर समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाए। बैठक में खनिज, उद्यानिकी, सहकारिता, नगरीय निकाय, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, विद्युत विभाग, खाद्य विभाग, जनजातीय कार्य विभाग सहित अन्य विभागों की योजनाओं एवं कार्यों के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

ठेकेदारों द्वारा दिया जा रहा घटिया निर्माण कार्यों को खुलेआम अंजाम

नपाध्यक्ष एवं इंजीनियर द्वारा निरीक्षण के दौरान की गई नाराजगी व्यक्त

कोतमा। जब निर्माण एजेंसी और ठेकेदार के बीच साठगांठ हो जाए तो होने वाले निर्माण कार्य का भगवान ही मालिक कहा जाएगा। ऐसा ही हाल कोतमा नगर में हो रहे सभी निर्माण कार्यों में मचा हुआ है। जहां पर ठेकेदारों के द्वारा पूरी तरह से अनियमितता व भ्रष्टाचार मचाते हुए घटिया निर्माण कार्यों को खुलेआम अंजाम दिया जा रहा है। शनिवार को उत्कृष्ट विद्यालय तिराहे से रेलवे पुल एवं गहरवार तिराहे से राजा सिंधी के घर तक किए गए डामरीकरण सड़क निर्माण कार्य में तय मानकों के विपरीत कार्य किया गया। डामरीकृत सड़क बनाने में की गई मनमानी व गुणवत्ताहीन कार्य के कारण सड़क निर्माण के दूसरे दिन ही सड़क से गिट्टियां छोड़ने लग गई हैं साथ ही सडक बनते ही दरारें आ गई। सड़क निर्माण का कार्य नगर के चर्चित ठेकेदार द्वारा किया गया है। नपाध्यक्ष एवं इंजीनियर द्वारा निरीक्षण के दौरान नाराजगी व्यक्त करते हुए दोबारा सड़क निर्माण कराये जाने की बात की जा रही है। लाखों रुपए की लागत से बनी सड़क के बनने के साथ ही उखड़ने के कारण नागरिकों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। वार्ड वासियों का कहना है कि बिना सड़क की सफाई किए मात्र गिट्टी की परत बिछाई गई है। बेलन तक नहीं चलाए जाने के कारण गिट्टी की धार आने जाने वाले को लग रही है। आधी रात को मात्र 2 घंटे में चमत्कारिक रूप से सड़क निर्माण के नाम से जनता के खून पसीने की कमाई को बंदरबाट किया गया है। सील कोट भी नही किया गया।

टिकाऊपन पर उठने लगे सवाल

कायाकल्प योजना अंतर्गत 50 लाख की राशि से निर्माण कार्य किया जाना बताया जा रहा है है। आधी रात को डामर का लेप लगाकर कराए गए कार्य को लेकर सड़क के टिकाऊपन को लेकर अभी से सवाल उठाए जा रहे हैं। घटिया तरीके से कराए गए निर्माण में नपा के जिम्मेदार ध्यान देते तो सरकारी धन की बर्बादी ना होती। लोगो का कहना है कि चोरी छिपे रात के अंधेरे में हुए घटिया निर्माण कार्य की जांच कराते हुए दोषियों पर कार्यवाही की जानी चाहिए। उक्त ठेकेदार द्वारा नगर में जितने भी कार्य कराए गए हैं वो सब बेहद घटिया एवं निम्न स्तर के है। पूर्व मे बस स्टैंड से जकीरा चौक से इसी ठेकेदार के द्वारा घटिया सड़क का निर्माण कार्य किया गया था जिसकी विधानसभा मे भी प्रश्न किया गया था।

वार्ड के निवासी अमृत लाल गोधवानी ने बताया कि शनिवार की रात्रि मे ठेकेदार के द्वारा डामरीकृत सड़क का निर्माण कार्य करवाया गया है जो गुणवत्ता विहीन है सड़क की गिट्टी बनते ही निकल रही है नपाध्यक्ष अजय सराफ से सड़क की गुणवत्ता को लेकर शिकायत की मांग की गई है। वही व्यापारी सुगमचंद जैन का कहना है बहुत ही घटिया सड़क का निर्माण कार्य करवाया गया है ठेकेदार के द्वारा रात के अंधेरे मे डामरीकृत सड़क बनाई गई है। गिट्टी बनते ही निकल रही है सड़क मे दरार अभी से आने लगी है सड़क की गुणवत्ता की जांच करवाते हुए दोबारा सड़क का निर्माण कार्य गुणवत्ता युक्त करवाया जाये।

इनका कहना है

ठेकेदार के द्वारा गुणवत्ता विहीन निर्माण कार्य किया गया है। मेरे द्वारा मौके पर जाकर निरीक्षण किया गया है। ठेकेदार को सडक उखाड़कर दोबारा बनाने के निर्देश दिए गए हैं।

वंदना अवस्थी, उपमंत्री
नगर पालिका परिषद कोतमा

इनका कहना है

मेरे द्वारा सडक का निरीक्षण किया गया है अभी सीलिंग कोड करना बाकी है आज या सुबह ठेकेदार के द्वारा सीलिंग कोड कर दिया जायेगा।

अजय सराफ, अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद कोतमा

अवैध रेत परिवहन पर रामनगर पुलिस की कार्यवाही आईसर ट्रैक्टर-ट्रॉली क्रमांक सीजी 16 सीजी 5465 जप्त

राजनगर। रामनगर पुलिस द्वारा अवैध रत परिवहन करते जमुड़ी घाट, केवई नदी क्षेत्र में रामनगर पुलिस ने कार्यवाही करते हुए एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जप्त कर आरोपी को मौके पर गिरफ्तार किया है। 09 फरवरी को प्रातः थाना रामनगर पुलिस को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि आईसर ट्रैक्टर-ट्रॉली क्रमांक सीजी 16 सीजी 5465 द्वारा जमुड़ी घाट से अवैध रूप से रेत का खनन कर परिवहन किया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुँची, जहाँ ट्रैक्टर चालक ठाकुर सिंह पिता बाबूलाल सिंह, उम्र 26 वर्ष, निवासी ग्राम ऊरा को ट्रैक्टर-ट्रॉली में लगभग 01 घन मीटर अवैध रेत अनुमानित कीमत 2,000, आइसर ट्रैक्टर-ट्रॉली अनुमानित कीमत 8,00,000 कुल जप्ती 8,02,000 को जब्त किया गया है। पुलिस द्वारा अवैध रेत एवं ट्रैक्टर-ट्रॉली को मौके पर ही जप्त कर आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 38/2026, धारा 303 (2), 317 (5) बीएनएस तथा 4/21 खान एवं खनिज अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। इस प्रभावी कार्यवाही में थाना प्रभारी उप निरीक्षक सुमित कौशिक के कुशल नेतृत्व में प्रधान आरक्षक 31 निरंजन खलखो, आरक्षक अनुराग भार्गव एवं आरक्षक 219 मुमताज अहमद का सराहनीय योगदान रहा।

खबर संक्षेप

जनगणना 2027 संबंधी बैठक 11 फरवरी को

अनूपपुर। अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी दिलीप कुमार पाण्डेय ने जानकारी दी है कि जनगणना अधिनियम, 1948 और जनगणना नियमावली, 1990 (समय-समय संशोधित) के कानूनी प्रावधानों के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा भारत की जनगणना 2027 कराए जाने की मंशा की अधिसूचना 16 जून 2025 को आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित की गई है। जनगणना दो चरणों में होगी, जिसमें प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं द्वितीय चरण जनसंख्या गणना का कार्य सम्पादित किया जाएगा। प्रथम चरण का कार्य अतिशीघ्र प्रारंभ किया जाएगा। कार्य की रूपरेखा तैयार करने तथा अभी तक की गई कार्यवाही की समीक्षा हेतु कलेक्टर हर्षल पंचोली की अध्यक्षता में 11 फरवरी को शाम 5 बजे से बैठक का आयोजन किया जाएगा। सर्व संबंधित अधिकारियो से बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने हेतु कहा गया है।

साइबर सुरक्षा और एआई पर विशेष जागरूकता व्याख्यान कल

कटनी। विद्यार्थियो को सुरक्षित एवं जिम्मेदार इंटरनेट उपयोग, साइबर हाइजीन तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विवेकपूर्ण उपयोग के संबंध में जागरूक करने हेतु कलेक्टार आशीष तिवारी के निर्देश पर इंटरनेट सेफर डे के अवसर पर शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज कटनी में मंगलवार 10 फरवरी को प्रातः 10 बजे से एनआईसी कटनी द्वारा जागरूकता व्याआख्यारन आयोजित किया गया है। कलेक्टर श्री तिवारी ने पॉलिटेक्निक कॉलेज के प्राचार्य को कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु आवश्याक व्यवस्थाव जैसे सभागार, विद्यार्थियों की उपस्थिति, तकनीकी सुविधायें एवं आवश्यटक समन्वाय सुनिश्चित करने हेतु निर्देश दिये हैं। इंटरनेट सेफर डे प्रतिवर्ष वर्ष 10 फरवरी को मनाया जाता है। इस वर्ष यह कार्यक्रम ₹स्मार्ट टेक, सेफ च्वा इसेस- एक्सकप्लोनरिंग द सेफ एण्डव रिस्पोरन्सिबल यूज ऑफ एआई ₹ की थीम पर केन्द्रित होगा।

सहकारिता उद्योग समिति की बैठक 13 फरवरी को

कटनी। जिला पंचायत कटनी की सहकारिता उद्योग समिति की बैठक शुक्रवार 13 फरवरी को दोपहर 12 बजे से जिला पंचायत सभागार में आयोजित की गई है। बैठक के दौरान खरीफ उपार्जन 2025-26, रबी उपार्जन 2026-27 की तैयारियों, सार्वजनिक वितरण प्रणाली एवं रासायनिक उर्वरकों (खाद) एवं बीजों के भंडारण और उनके वितरण की समीक्षा की जायेगी।। बैठक में समिति के सभापति एवं सदस्यट उपस्थित रहेंगे। सभी संबंधित अधिकारियों को अपने विभाग की प्रगति रिपोर्ट बैठक से तीन दिन पूर्व जिला पंचायत कार्यालय में अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करने निर्देश दिये गये हैं।

ट्रेन से महिला यात्री का बैग लेकर भागा बदमाश

कटनी। ट्रेन में चढ़कर बदमाश एक महिला का बैग लेकर चंपत हो गया। बैग में जरूरी दस्तावेज के साथ नकदी रूपये भी रखे थे। महिला द्वारा जीआरपी में शिकायत दर्ज कराई गई है। यह घटना रीवा से भोपाल के बीच कटनी होकर चलने वाली स्पेशल ट्रेन में हुई। जानकारी के अनुसार सतना निवासी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता माधवी विश्वकर्मा ने बताया कि वह शनिवार को अपनी मां और बेटी के साथ गाड़ी नम्बर 22146 रीवा भोपाल स्पेशल ट्रेन से सतना से भोपाल की यात्रा कर रही थी। ट्रेन के कटनी जंक्शन से रवाना होने के बाद ट्रेन जब कटनी साउथ रेलवे स्टेशन के आउटर से निकल रही थीं, तभी अज्ञात बदमाश ट्रेन में चढ़ा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के सिर के नीचे रखा पिट्ठू बैग लेकर फरार हो गया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की जब नींद खुली तो पिट्ठू बैग नहीं मिला। ट्रेन के जबलपुर पहुंचने के बाद माधवी विश्वकर्मा भोपाल न जाकर जबलपुर में ही उतर गई और आकर जीआरपी थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। पिट्ठू बैग में आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, एटीएम, ड्राइविंग लाइसेंस, मोबाइल, नगद 9 हजार रुपये सहित जरूरी सामान रखा हुआ था।

बकहो मण्डल की तीन प्रमुख मांगों पर मुख्यमंत्री ने दिया भरोसा, विकास कार्यों को मिलेगी नई गति

अमलाई। मुख्यमंत्री मोहन यादव के धनपुरी में प्रथम नगर आगमन के अवसर पर जहां जिले को कई बड़ी सौगातें मिलीं, वहीं बकहो मण्डल से जुड़ी जनसमस्याओं को लेकर भी महत्वपूर्ण पहल सामने आई। इस दौरान बकहो मण्डल का प्रतिनिधित्व करते हुए मण्डल अध्यक्ष धर्मेंद्र दुबे ने जैतपुर विधानसभा के विधायक जय सिंह मरावी के सानिध्य एवं मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री के समक्ष क्षेत्र की बहुप्रतीक्षित मांगें रखीं। मुख्यमंत्री के समक्ष नगर परिषद बकहो, जनपद पंचायत बुढार में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना, बस स्टैंड निर्माण तथा बकहो क्षेत्र में निवासरत उन परिवारों की भूमि के राजस्व अभिलेखों में दर्ज "झुडपी–जंगल" मद को परिवर्तित किए जाने की मांग प्रमुख रूप से रखी गई। इन मुद्दों को क्षेत्रवासियों के लिए अत्यंत आवश्यक बताते हुए शीघ्र निराकरण का अनुरोध किया गया।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बकहो मण्डल की इन मांगों पर गंभीरता से विचार करने का आश्वासन देते हुए कहा कि राज्य सरकार "जनकल्याण और सबका साथ–सबका विकास" की भावना के साथ हर क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि बकहो मण्डल को भी सतत विकास की दौड़ में अग्रणी बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। कार्यक्रम में जिले के समग्र विकास की दिशा में की गई घोषणाओं—आधुनिक वाटर पार्क, स्विमिंग पूल व क्लब हाउस के लोकार्पण तथा सोन नदी पर ₹2300 करोड़ की माइक्रो सिंचाई परियोजनाओं—के साथ ही बकहो क्षेत्र को लेकर दिए गए आश्वासन को स्थानीय नागरिकों ने बड़ी उपलब्धि माना है।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि स्वास्थ्य केंद्र, बस स्टैंड और भूमि संबंधी समस्याओं का समाधान होता है तो बकहो मण्डल में आवागमन, चिकित्सा सुविधाएं और निवासरत परिवारों की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार आएगा। मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद अब लोगों को शीघ्र ठोस कार्रवाई की उम्मीद है।

अमलाई स्टेशन के विकास को लेकर डीआरएम ने किया निरीक्षण, नपा अध्यक्ष ने दिया था मांगपत्र

अमलाई। नगर परिषद बरगवां अमलाई की अध्यक्ष गीता गुप्ता द्वारा दिए गए मांग पत्र के बाद दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (SECR) बिलासपुर के डीआरएम ने अमलाई रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्टेशन परिसर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।निरीक्षण में जर्जर सड़कों की मरम्मत, स्ट्रीट लाइट व्यवस्था, साफ-सफाई, प्लेटफार्मों की देखरेख, यात्रियों के लिए बैठने, पानी व छाया की सुविधाओं पर चर्चा हुई। साथ ही लंबी दूरी की एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव की मांग भी रखी गई। नगर परिषद अध्यक्ष गीता गुप्ता के साथ युवा भाजपा नेता अभिषेक गुप्ता एवं पार्षद मौजूद रहे। डीआरएम ने सभी मांगों को गंभीरता से लेते हुए चरणबद्ध तरीके से सुविधाएं विकसित करने का आश्वासन दिया। नगर परिषद अध्यक्ष ने इसे क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि बताया, वहीं नगरवासियों ने उम्मीद जताई

कि आने वाले समय में अमलाई स्टेशन आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा।

दामिनी माइंस : 50 दिन में शेष 1.5 लाख टन उत्पादन का लक्ष्य

धनपुरी । देश के कोने-कोने में बिजली की चकाचौंध के पीछे कोयला आज भी सबसे मजबूत ऊर्जा स्त्रोत बना हुआ है। इस 'काले हीरे' की निरंतर आपूर्ति देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए सर्वोपरि मानी जाती है। इसी जिम्मेदारी को निभाने में कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी एसईसीएल सक्रिय भूमिका निभा रही है।

एसईसीएल सोहागपुर एरिया अंतर्गत बंगवार और दामिनी भूमिगत माइंस में कोयला उत्पादन ने रफ्तार पकड़ ली है। उपक्षेत्रीय प्रबंधक संजय सिंह के नेतृत्व में दामिनी भूमिगत खदान में उत्पादन को लेकर विशेष फोकस किया जा रहा है। वहीं बंगवार भूमिगत माइंस के खान प्रबंधक डी.के. कुर्रे ने वार्षिक कोयला लक्ष्य को मार्च माह तक पूरा होने की संभावना जताई है।

सुरक्षा के साथ उत्पादन, शून्य दुर्घटना का संकल्प

प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि उत्पादन बढ़ाने के

साथ श्रमिकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। शून्य दुर्घटना के लक्ष्य के साथ कोयला उत्पादन को आगे बढ़ाया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए निर्धारित 6 लाख 50 हजार टन के लक्ष्य के मुकाबले अब तक 5 लाख टन से अधिक कोयला उत्पादन किया जा चुका है। शेष 1 लाख 50 हजार टन उत्पादन अगले 50 दिनों में पूरा करने की रणनीति पर काम हो रहा है।

टीमवर्क बना ताकत, हर मोर्चे पर जुटे श्रमिक

बंगवार और दामिनी माइंस में उपक्षेत्रीय प्रबंधक, खान प्रबंधक, माइनिंग स्टाफ, ओवरमैन, माइनिंग सरदार और श्रमवीर पूरी निष्ठा के साथ कार्य कर रहे हैं। कोयला उत्पादन से जुड़े सभी आवश्यक उपकरणों की समय पर व्यवस्था कर सोहागपुर एरिया के महाप्रबंधक बी.के. जेना भी निरंतर सहयोग प्रदान कर रहे हैं।

प्रबंधन-श्रमिकों में बेहतर तालमेल

एक ओर जहां क्षेत्रीय प्रबंधन उत्पादन बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत है, वहीं दूसरी ओर माइंस स्तर पर अधिकारियों द्वारा माइनिंग स्टाफ का मनोबल बढ़ाया जा रहा है। इन दिनों प्रबंधन और श्रमिकों के बीच बेहतर तालमेल देखने को मिल रहा है, जिससे कार्यस्थल पर सकारात्मक वातावरण बना हुआ है। श्रमिकों का विश्वास है कि मौजूदा गति, अनुशासन और सामूहिक मेहनत के दम पर बंगवार–दामिनी माइंस वार्षिक कोयला उत्पादन लक्ष्य को निश्चित रूप से हासिल करेगी, जिससे देश की ऊर्जा जरूरतों को मजबूती मिलेगी।

एसईसीएल सोहागपुर एरिया की अमलाई ओसीएम में गेट मीटिंग, 12 फरवरी की राष्ट्रव्यापी हड़ताल को सफल बनाने का आह्वान

धनपुरी।एसईसीएल सोहागपुर एरिया अंतर्गत अमलाई ओपन कास्ट माइंस (ओसीएम) में दिनांक 9 फरवरी 2026 को श्रम विरोधी कानूनों के खिलाफ गेट मीटिंग का आयोजन किया गया। गेट मीटिंग में एटक, एचएमएस सहित संयुक्त मोर्चा की सभी यूनियनों ने एकजुट होकर केंद्र सरकार की नीतियों का विरोध किया।

गेट मीटिंग को संबोधित करते हुए एटक यूनियन के रावेंद्र शुक्ला एवं एचएमएस यूनियन के शिवनारायण मिश्रा ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए चार नए लेबर कोड पूरी तरह श्रमिक विरोधी हैं। इन कानूनों के माध्यम से सरकार कोयला उद्योग को 1972 के राष्ट्रीयकरण से पहले की स्थिति में ले जाना चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन लेबर कोड्स के जरिए कोयला मजदूरों से उनके संघर्ष और विरोध करने के अधिकार छीने जा रहे हैं। नेताओं ने कहा कि कोयला मजदूरों ने वर्षों के संघर्ष से जो अधिकार और सुविधाएं प्राप्त की हैं, उन्हें खत्म करने की साजिश रची जा रही है। यदि मजदूर अब भी नहीं जागे तो भविष्य में उनके पास कुछ भी शेष नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि 12 फरवरी 2026 की राष्ट्रव्यापी हड़ताल 'करो या मरो' की स्थिति है—अब नहीं तो कभी नहीं। गेट मीटिंग में संयुक्त मोर्चा एचएमएस, एटक, इंटक, सीटू के सभी पदाधिकारियों ने श्रमिकों को संबोधित करते हुए 12 फरवरी की हड़ताल को पूरी तरह सफल बनाने का आह्वान किया। वक्ताओं ने कहा कि मजदूरों को संगठित होकर सरकार की श्रम विरोधी नीतियों के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़नी होगी। सभा के अंत में मजदूर एकता के नारे लगाए गए और हड़ताल को सफल बनाने का संकल्प लिया गया।

अवैध जुआ गतिविधियों के विरुद्ध पुलिस की कार्रवाई

राजनगर। रामनगर पुलिस द्वारा अवैध जुआ गतिविधियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। बीती रात को मुखबिर सूचना पर थाना रामनगर पुलिस द्वारा शारदा मंदिर के पास 'ग्राम जमुडी' में दबिश दी गई, जहां कुछ व्यक्तियों द्वारा ताश के पत्तों पर रूपयों की हार जीत का दांव लगाकर सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेला जा रहा था। मौके पर निम्न आरोपियों को जुआ खेलते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। मंगलदीन केवट पिता स्व. बाल्मीक केवट, उम्र 35 वर्ष, निवासी ग्राम जमुडी, प्रसाद केवट पिता महकूलाल केवट, निवासी ग्राम जमुडी, भरिया केवट पिता सम्हारू केवट, निवासी ग्राम बुढ़ानपुर, थाना कोतमा, सुंदर केवट पिता हेतराम केवट, उम्र 40 वर्ष, निवासी ग्राम जमुडी, रामसुजान यादव पिता रामविलास यादव, उम्र 36 वर्ष ग्राम जमुड़ी, लालमन अगरिया पिता बटुलाल अगरिया, उम्र 38 वर्ष, निवासी ग्राम जमुडी, बध्दसेन केवट पिता बचूलाल केवट, उम्र 34 वर्ष ग्राम जमुड़ी। मौके से कुल 3,440 नगद राशि एवं 52 ताश के पत्ते जप्त किए गए। जप्ती की कार्यवाही समक्ष गवाहान के की गई तथा संपूर्ण कार्यवाही की वीडियोग्राफी कराई गई। गवाहों के कथन लेखबद्ध किए गए। आरोपीगणों के विरुद्ध थाना रामनगर में अपराध क्रमांक 37/26 धारा 13 सार्वजनिक जुआ अधिनियम के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

हिंदू सम्मेलन में समाज में एकता और भाईचारा बढ़ने का दिया गया संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिलौड़ी

सिलौंडी के बाल हायर सेकंडरी खेल मैदान में विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन हुआ जिसमें संत बनवारी दास गोविंद सरकार भरभरा वाले महाराज का पावन सानिध्य मिला । संतश्री के आशीर्वचन से हम लोग को आपस में एकता प्रेम स्नेह और भाईचारा का संदेश मिला जिसमें अनेकों प्रकार के धार्मिक सांस्कृतिक राष्ट्रीय कार्यक्रम हुए।

मुख्य वक्ता तुलाराम प्रांत संगठन मंत्री किसान संघ भाईसाहब का बौद्धिक जन मानस में प्रेणना और चेतना का श्रोत बना जिसमें हिंदू एकता और सामाजिक समरसता बनाए रखने को प्रोत्साहित किया गया। मातृशक्ति ब्रह्माकुमारी बहन पूजा इस विराट

हिन्दू सम्मेलन में अपने शब्दों द्वारा भाई एवं बहनों में भविष्य के प्रति चेतना जगाने और आगे बढ़ने पर जोर दिया गया। मुख्य अतिथि कमलेश राय रिटायर्ड फौजी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम के संयोजक गणेश राय सह संयोजक मोती हल्दकार ,डॉक्टर प्रशांत राय ,इंद्रकुमार यादव , मंडल अध्यक्ष मनीष बागरी ,जिला पंचायत सदस्य कविता पंकज राय, सुरेश राय ,किशन राय सरपंच पंचों संतोष कुमार उपसरपंच राहुल राय , सरपंच कैलाश चंद्र जैन ,सरपंच अनिल बागरी ,सरपंच साकेत लोनी अनिल पांडे ,विपिन राजपूत ,सौरभ दुबे भी शामिल रहे। मंच व्यवस्था प्रमुख बज्रेश कुमार वं समस्त ग्रामवासियों के सहयोग मिला जिससे कार्यक्रम भव्य रूप में से सम्पन्न हुआ।

बड़े के साथ अब छोटे दुकानदार भी ले रहे क्यू आर से रूपये

डिजिटल पेमेंट का चलन बढ़ा, बैंकों में कम हुआ छोटी राशि जमा करने वालों का दवाब

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद

डिजिटल इंडिया को बढ़ावा देते हुए यूपीआइ से रुपए ट्रांसफर करने का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है। छोटी-छोटी दुकानों में भी अब क्यूआर कोड नजर आने लगे हैं। इस सुविधा से जहां समय की बचत हो रही है। वहीं, चिल्लर का झंझट भी समाप्त हो गया है। अब अधिकांश दुकानों में क्यूआर कोड से ही भुगतान किया जा रहा है। डिजिटल पेमेंट की सुविधा से जहां एक ओर एटीएम में भीड़ कम हुई है। वहीं, बैंकों में भी दबाव कम हो गया है। 90 प्रतिशत युवा इस सुविधा को अपना रहे हैं, साथ ही सीनियर सिटीजन भी इसे सीख रहे हैं।

बैंकों ने भी ग्राहकों की सुविधा के लिए अपने एप्लीकेशन लांच कर दिया है, जिसमें मोबाइल में ही ग्राहकों को मिनी स्टेटमेंट, रुपए ट्रांसफर के साथ ही बिना एटीएम कार्ड के रुपए निकालने की सुविधा मिल रही है।इससे एक ओर ग्राहकों के समय में बचत हो रही है। वहीं, लंबी दूरी की यात्रा में लोगों को कैश रखने की झंझट से मुक्ति मिल गई है। बस की टिकट, हवाई टिकट, ऑटो रिक्शा भाड़ा से लेकर चाय, सब्जी व अन्य छोटी-छोटी जरूरतों के सामानों की खरीदी पर दुकानों में क्यूआर कोड चस्पा हैं, जहां ग्राहक आसानी से रुपए ट्रांसफर कर लेनदेन कर रहे हैं।

बैंकों में दबाव हुआ कम

बीते दो साल पहले तक जहां बैंकों में लंबी कतार देखने को मिलती थी लोग अपनी बारी जल्दी

आने के लिए एक दूसरे से विवाद तक कर लेते थे। वहीं, अब डिजिटिल पेमेंट की सुविधा से लोग घर बैठे ट्रांजेक्शन कर रहे हैं। इससे बैंकों में दबाव कम हुआ है। बैंकों में अब सीनियर सिटिजन व पेंशनर्स पहुंच रहे है। बैंक भी ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के लिए समय-समय पर ग्राहकों को जागरूक कर रही है। बैंकों में जहां ग्राहकों का दबाव कम हुआ, तो दूसरी ओर पासबुक की इंट्री में इजाफा हो गया है। पासबुक की इंट्री कराने के लिए लोग महीनों बैंक नहीं जाते और डिजिटिल पेमेंट से काम चलाते है।

स्लीमनाबाद सब्जी व्यापारी बेटू मौर्य का कहना है कि डिजिटल पेमेंट से समय की बचत होती है। ग्राहक सीधे अकाउंट में रुपए ट्रांसफर कर देते हैं। जिससे खुल्ले रुपयों की झंझट खत्म हो गई है। वहीं, व्यापारियों को भी ऑनलाइन भुगतान कर दिया जाता है।वही किराना व्यापारी नीशु जैन ने कहा कि एक वर्ष से डिजिटल पेमेंट के माध्यम से भुगतान ले रहे हैं।घर से पर्स लेकर न आने पर भी लोग मोबाइल के माध्यम से रुपए ट्रांसफर कर देते हैं। इस सुविधा के चलते अब पहले से ज्यादा बिक्री हो रही है।

महाविद्यालय में धूमधाम से मनाया गया वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह

वार्षिकोत्सव में खेल प्रतिभाओं, मेधावी छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ बड़वारा

शासकीय महाविद्यालय बड़वारा में प्राचार्य डॉ. एल. के. सिंह के मार्गदर्शन एवं वार्षिकोत्सव प्रभारी डॉ. आदित्य गढ़ेवाल, क्रीड़ा अधिकारी के नेतृत्व में वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह का गौरवमय आयोजन किया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में बड़वारा विधानसभा के विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह ने अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित कीं । कार्यक्रम की अध्यक्षता विशिष्ट अतिथि व सांसद प्रतिनिधि पद्मेश गौतम ने की। साथ ही सोनेलाल साहू, अनुराग गुप्ता, विनय नागवंशी, निर्भय सिंह, जनभागीदारी समिति सदस्यों एवं अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं, थाना प्रभारी बड़वारा के के पटेल, की उपस्थिति रही । कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि पद्मेश गौतम ने युवाओं से अपनी जड़ों से जुड़े रहने और एकाग्रता के साथ अध्ययन करने का आह्वान किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों में लोक संस्कृति की झांकी देखने को मिली । विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से क्षेत्रीय लोक कलाओं और भारतीय संस्कारों का जीवंत प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में 'महिला-सशक्तिकरण' के विचार को भी प्रमुखता से रखा गया जो विभिन्न विधाओं के माध्यम से स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुआ । सामाजिक मुद्दों, नशामुक्ति, कॉलेज लाइफ, लोक नृत्य,

पंजाबी नृत्य, शास्त्रीय नृत्य, देशभक्ति पर आधारित एक्ट, एकल व युगल गायन आदि की प्रस्तुति छात्र-छात्राओं के द्वारा की गई जिसे अतिथियों एवं दर्शकों ने खूब सराहा । इन कार्यक्रमों को तैयार कराने में महाविद्यालय की सांस्कृतिक समिति के सदस्यों श्रीमति तोषी पटेल, डॉ. योगिता अरजरिया, डॉ. कल्पना सतनामी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई । पुरस्कार वितरण समारोह का मुख्य आकर्षण महाविद्यालय की वे प्रतिभाएं रहीं जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया है । समारोह में खेल के मैदान में महाविद्यालय की प्रतिभाओं की चमक विशेष रूप से दिखाई दी, जिन्हें उनकी उत्कृष्ट खेल उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया । महाविद्यालय के खिलाड़ियों ने विभिन्न खेलों में न केवल महाविद्यालय स्तर पर बल्कि जिला, संभाग, राज्य व राष्ट्रीय/ अन्तर-विश्वविद्यालय स्तर पर भी महाविद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रौशन किया है। साथ ही शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए मेधावी छात्र-छात्राओं जिन्होंने कक्षा में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया, युवा उत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत आयोजित प्रतियोगिता के विजेताओं और वर्ष भर विभिन्न अवसरों पर आयोजित की गई गतिविधियों, भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत आयोजित की गई प्रतियोगिताओं के विजेताओं, साथ ही कॉलेज में विगत माह आयोजित 'युवा तरंग' अंतर्गत प्रतियोगिता के विजेताओं को नृत्य, गायन, रंगोली, मूर्तिकला, हस्तलेखन और स्वरचित कविता पाठ जैसी विधाओं के लिए पुरस्कृत किया गया। महाविद्यालय के अनुशासन में सहयोग देने वाले कॉलेज कैप्टन्स को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया । इसके अलावा महाविद्यालय के विकास में योगदान देने वाले दानदाताओं को 'आभार पत्र' भेंट कर उनकी सामाजिक सहभागिता की सराहना की गई । वार्षिकोत्सव के सफल आयोजन में महाविद्यालय के समस्त स्टाफ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई । कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य डॉ. एल. के. सिंह के मार्गदर्शन एवं वार्षिकोत्सव प्रभारी डॉ. आदित्य गढ़ेवाल, क्रीड़ा अधिकारी के नेतृत्व में किया गया । मंच संचालन श्रीमती तोषी पटेल एवं डॉ. कल्पना सतनामी ने किया । पूजन एवं प्रेस व्यवस्था डॉ. दिव्या यादव ने संभाली । स्वागत एवं मंचीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों की व्यवस्था डॉ. योगिता अरजरिया ने संभाली । डॉ. मुकेश झारिया एवं डॉ. रामनरेश वर्मा ने पुरस्कार वितरण की जिम्मेदारी संभाली । स्वल्पाहार एवं जलपान की व्यवस्था डॉ. सुजीत सिंह, डॉ. रचना पाण्डेय एवं डॉ. विमला कुमारी ने देखी । प्रमाण पत्र तैयार करने का कार्य डॉ. ब्रजेश पाण्डेय के द्वारा किया गया । श्री सुशील चंद्र दुबे एवं रामकिशोर आर्य ने छात्रों के द्वारा अनुशासन बनाए रखने का कार्य किया । कार्यक्रम के सफल समापन पर डॉ. सुजीत सिंह द्वारा सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया । साथ ही कार्यक्रम की अन्य व्यवस्थाओं में रविन्द्र महोबिया एवं संजय बर्मन ने भी आवश्यक सहयोग प्रदान किया.।

अवकाश के दिन भी खुले रहे नगर निगम के कैश काउंटर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर नागरिकों को निगम के बकाया करों को आसानी से जमा करने की सुविधा के मद्देनजर रविवार 8 फरवरी को अवकाश के दिन भी नगर निगम का कक्ष क्रमांक 37, कैश काउंटर प्रातः 10 बजे से शाम 6 बजे तक खुला रहा।

इसके अलावा शहरी क्षेत्र के तीन स्थलों में विशेष शिविर का आयोजन भी किया जाकर नागरिकों को बकाया कर जमा करने की सुविधा प्रदान की जाएगी।

निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार के निर्देश पर करदाताओं की सुविधा को प्राथमिकता देते हुएशहर के तीन स्थलों इंदिरा नगर चौराहा, मंगल नगर गेट के पास सहित रोशन नगर परोहा मार्केट के पास विशेष राजस्व वसूली शिविरों का आयोजन किया गया है। नागरिक गण इन शिविरों में पहुंचकर निगम के सभी प्रकार के बकाया कर आसानी से जमा कर सकते हैं। इन शिविरों का उद्देश्य करदाताओं को उनके ही क्षेत्र में सरल, सुरक्षित और त्वरित भुगतान व्यवस्था उपलब्ध कराना है।

शहरवासियों से अपीलनिगमायुक्त ने शहरवासियों से अपील करते हुए कहा कि अधिक से अधिक संख्या में निगम कार्यालय तथा शिविरों में पहुंचकर बकाया करों का भुगतान करते हुए रसीद प्राप्त करें और शहर के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।

राजस्व अधिकारी जागेश्वर प्रसाद पाठक ने बताया कि करदाताओं की सुविधा का ख्याल रखते हुए नगर निगम प्रशासन द्वारा अवकाश के दिनों में निगम कार्यालय का कैश काउंटर सहित वार्डों में विशेष शिविर आयोजित करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है।

खबर संक्षेप

आरओबी निर्माण कार्य की प्रगति धीमी

अनूपपुर। अनूपपुर शहर में लगभग 9 वर्षों से निर्माणाधीन आरओबी. बी.के. 61 पर फ्लाईओवर ब्रिज निर्माण कार्य की गति काफी धीमी होने पर अनुविभागीय अधिकारी, लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण उपसंभाग शहडोल (म.प्र.) ने कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण संभाग-रीवा (म.प्र.) को पत्र भेजा है। जिसमें लिखा है अनूपपुर शहर में आरओबी. बी.के. 61 में निर्माण कार्य की प्रगति काफी धीमी है एवं रेल्वे विभाग द्वारा रेल्वे पोर्सन की लाचिंग कार्य पूर्ण कर ए-2 एबटमेंट ए-2 साइड स्थान खाली कर दिया गया है। किन्तु ठेकेदार द्वारा ए 2 साइड की रिटेनिंग वाल का कार्य प्रारम्भ नही किया जा रहा है। एवं एबटमेंट ए साइड के रिटेनिंग वाल में भी बैंक फिलिंग का कार्य नही किया जा रहा है। कलेक्टर द्वारा कार्य की गति बढ़ाने हेतु कई बार निर्देशित किया गया, परन्तु निविदाकार द्वारा कार्य में कोई रूचि नहीं ली जा रही है।

पटवारी आज से सामूहिक अवकाश पर

अनूपपुर। जिले के मध्य प्रदेश पटवारी संघ जिला इकाई अनूपपुर के द्वारा दिनांक 04.02.2026 को दिए ज्ञापन के अनुसार जिला प्रशासन द्वारा किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं किए जाने पर आज दिनांक 09.02.2026 से जिले के समस्त पटवारी सामूहिक अवकाश पर चले गए हैं एवं बोर्ड परीक्षा में पटवारी की ड्यूटी कलेक्टर प्रतिनिधि के रूप में लगाई गई थी उसको भी करने से किया इनकार पटवारी की मुख्य मांग है जनवरी माह का वेतन जो जिला प्रशासन द्वारा पूरे माह कार्य करने कराए जाने के बाद मां के अंतिम तारीख को रोक दी जाती है यह आदेश पिछले 5 महीना से लगातार किया जा रहा है। अनूपपुर जिले के पटवारी का मांग पूरी नहीं किए जाने पर अभी सामूहिक अवकाश पर हैं एवं 11 फरवरी से टेंट लगाकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर रहेंगे ।

नॉन अटैण्ड शिकायतों पर 13 अधिकारियों पर 10 हजार रुपये का जुर्माना अधिरोपित

अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देशानुसार अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पाण्डेय ने सीएम हेल्पलाईन में नॉन अटैण्ड शिकायतों पर अधिकारियों पर जुर्माना लगाया है। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, नगरीय विकास एवं आवास विभाग, पर्यावरण विभाग, राजस्व विभाग, वित्त विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, गृह विभाग कुल 8 विभागों के 13 अधिकारियों पर 10 हजार रुपये का जुर्माना अधिरोपित करते हुए संबंधितों को अनिवार्य रूप से अधिरोपित शास्ति जिला रेडक्रास सोसायटी के बैंक खाता में जमा कराते हुए जमा राशि की पावती कलेक्ट्रेट स्थित लोक सेवा प्रबंधन कार्यालय में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण में कुल 170 प्रकरण पंजीबद्ध

अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देशानुसार जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन/परिवहन पर प्रभावी कार्यवाही किए जाने हेतु खनिज, पुलिस एवं वन विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 (01 अप्रैल 2025 से 31 जनवरी 2026 तक) जिले में खनिजों के अवैध परिवहन में 113 प्रकरण, अवैध उत्खनन में 42 प्रकरण एवं अवैध भण्डारण में 15 प्रकरण कुल 170 प्रकरण पंजीबद्ध किया जाकर 33,55,957 रुपये अर्थदण्ड की राशि संबंधितों से वसूल कर शासकीय कोष में जमा कराया गया है।

नगर परिषद जैतहरी की सौगातः कल जनता को समर्पित होगा महर्षि कश्यप व्यापार केन्द्र

जैतहरी। नगर परिषद जैतहरी द्वारा वार्ड क्रमांक 05 में निर्मित "महर्षि कश्यप व्यापार केन्द्र" का लोकार्पण समारोह मंगलवार, 10 फरवरी को भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर नगर में उत्साह का माहौल है और तैयारियां अंतिम चरण में हैं। इस लोकार्पण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिसाहूलाल सिंह (विधायक अनूपपुर एवं पूर्व मंत्री, मध्यप्रदेश शासन) होंगे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में हीरा सिंह श्याम (जिलाध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी) एवं अनिल कुमार गुप्ता (पूर्व उपाध्यक्ष, विन्ध्य विकास प्राधिकरण) कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर परिषद जैतहरी के अध्यक्ष उमंग अनिल गुप्ता करेंगे। नगर परिषद अधिकारियों के अनुसार यह व्यापार केन्द्र स्थानीय व्यापारियों को सुव्यवस्थित स्थान उपलब्ध कराने के साथ-साथ नगर के आर्थिक विकास को नई दिशा देगा।

पत्रकार पहुंचे तो कुर्सी छोड़ भागा डॉक्टर

हड्डी रोग विशेषज्ञ की कुर्सी पर बैठा फर्जी डॉक्टर

जनहित से खिलवाड़, जिम्मेदार मौन

अनूपपुर जिला चिकित्सालय एक बार फिर शर्मसार हो गया है। जहां जनता जीवन और स्वास्थ्य की उम्मीद लेकर पहुंचती है, वहां हड्डी रोग विशेषज्ञ की कुर्सी पर एक फर्जी डॉक्टर बैठा मिला है। नाम है बलराम विश्वकर्मा। पत्रकारों ने जब सच्चाई खंगालनी शुरू की तो कथित डॉक्टर की हेकड़ी हवा हो गई और वह कुर्सी छोड़कर भाग खड़ा हुआ। सवाल सीधा है कि आखिर किसके संरक्षण में वर्षों से चल रहा था यह खेल?

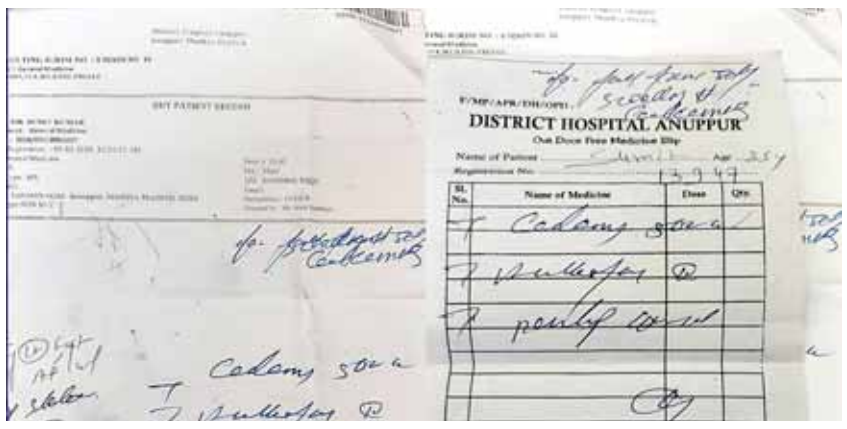

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिले में फर्जी झोलाछाप डॉक्टरों की बाढ़ कोई नई बात नहीं, लेकिन इस बार मामला सीधे जिला चिकित्सालय के भीतर का है, जहां प्रशासनिक जिम्मेदारी सबसे अधिक होनी चाहिए थी। जिला अस्पताल के कमरा नंबर 5 में सुबह से दोपहर तक मरीजों की कतार और कुर्सी पर बैठा कथित हड्डी रोग विशेषज्ञ। पूछताछ में उसने खुद को मेडिकल ऑफिसर बताया और दावा किया कि उसने एक ही दिन में सौ से अधिक मरीज देखे। लेकिन पत्रकारों के सवालों ने परत-दर-परत सच्चाई उघाड़ दी। कभी बीएएमएस, कभी इलेक्ट्रो होम्योपैथी और कभी किसी वरिष्ठ डॉक्टर के निर्देशन में सेवा देने की कहानी गढ़ी गई। नियुक्ति पत्र मांगते ही पसीना छूट गया। सिविल सर्जन से रिकॉर्डेड बातचीत में साफ हो गया कि ऐसा कोई आदेश या नियुक्ति है ही नहीं। सबसे गंभीर सवाल यह है कि वर्षों तक यह फर्जी डॉक्टर अस्पताल में कैसे बैठा रहा है? क्या जिम्मेदारों को कुछ भी नजर नहीं आया या सब कुछ जानकर भी आंखें मूंद ली गईं है?

कमरा नंबर 5 बना फर्जीवाड़े का अड्डा

जिला चिकित्सालय का कमरा नंबर 5 इन दिनों इलाज का नहीं, बल्कि फर्जीवाड़े का प्रतीक बन गया है। यहीं बैठकर बलराम विश्वकर्मा नामक व्यक्ति खुद को हड्डी रोग विशेषज्ञ बताकर मरीजों का इलाज करता रहा है। ग्रामीण और शहरी इलाकों से आए भोले-भाले मरीज डॉक्टर समझकर अपनी तकलीफ बताते रहे है। किसी को भनक तक नहीं कि सामने बैठा व्यक्ति असली डॉक्टर है या नकली। यह स्थिति न सिर्फ डरावनी है बल्कि पूरे स्वास्थ्य तंत्र पर सवाल खड़े करती है। अस्पताल प्रबंधन की चुप्पी बताती है कि या तो घोर लापरवाही हुई या फिर सब कुछ जानबूझकर नजरअंदाज किया गया है। पत्रकारों के सवाल, फर्जी डॉक्टर की हकीकत उजागर

जैसे ही पत्रकारों ने कैमरा ऑन कर सवाल पूछने शुरू किए, फर्जी डॉक्टर की सारी कहानी लड़खड़ा गई। पहले खुद को मेडिकल ऑफिसर बताया, फिर नियुक्ति पत्र का दावा किया। जब सिविल सर्जन से सीधी बात की रिकॉर्डिंग सामने रखी गई तो बयान बदल गया। कभी कहा डॉक्टर राजकुमार के निर्देशन में सेवा दे रहा हूं, कभी अपनी डिग्री बदलता रहा। यह साफ हो गया कि मामला महज गलतफहमी नहीं बल्कि सोची-समझी धोखाधड़ी है। पत्रकारों की सजगता ने एक बड़े जनहित के खतरे को समय रहते उजागर कर दिया है।

जिम्मेदार कौन? सवालों के घेरे में स्वास्थ्य विभाग

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब सिविल सर्जन और सीएमएचओ ने किसी तरह की नियुक्ति से इनकार किया, तो फिर यह व्यक्ति चार वर्षों तक अस्पताल में कैसे बैठा रहा है? क्या बिना मिलीभगत के यह संभव है? अगर जानकारी थी तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई? अगर जानकारी नहीं थी तो यह प्रशासनिक विफलता नहीं तो क्या है? जिला अस्पताल में मरीजों के जीवन से खिलवाड़ हो रहा था और जिम्मेदार अधिकारी तमाशबीन बने रहे है। यह केवल एक फर्जी डॉक्टर का मामला नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम की पोल खोलने वाला प्रकरण है।

एफआईआर की मांग, शासन तक पहुंचा मामला

मामले की गंभीरता को देखते हुए जिले के संभ्रांत नागरिकों और पत्रकारों ने सीधे शासन तक आवाज पहुंचाई है। मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, कलेक्टर, सीएमएचओ सभी से कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है। कलेक्टर ने वीडियो और फोटो के आधार पर तत्काल एफआईआर के निर्देश दिए है। अब देखना यह है कि कार्रवाई सिर्फ कागजों तक सीमित रहती है या वास्तव में दोषियों पर गाज गिरती है। जनता का स्वास्थ्य कोई प्रयोगशाला नहीं, जहां फर्जी डॉक्टरों को खुली छूट दी जा रही है।

इनका कहना है

मुझे डॉक्टर एस आर परस्ते सिविल सर्जन के द्वारा उपचार किए जाने हेतु नियुक्ति पत्र दिया गया है मैं डॉक्टर राजकुमार हड्डी रोग विशेषज्ञ के निर्देशन पर जिला चिकित्सालय में सेवा दे रहा हूं।"

डॉ बलराम विश्वकर्मा
जिला चिकित्सालय, अनूपपुर

मेरे द्वारा डॉक्टर बलराम विश्वकर्मा को सेवा देने के लिए किसी तरह का निर्देश नहीं दिया गया है।

डॉ राजकुमार हड्डी रोग विशेषज्ञ, जिला चिकित्सालय अनूपपुर

कलेक्टर साहब ने एफआईआर कराये जाने के लिए मुझे निर्देशित किया है।

डॉ एसआर परस्ते
सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक, जिला चिकित्सालय अनूपपुर

प्रथम दृष्टया मामला गंभीर है, कड़ी कार्रवाई आवश्यक है।

डॉ एससी रॉय
जिला स्वास्थ्य अधिकारी, अनूपपुर

यह जिम्मेदारी सिविल सर्जन की है, एफआईआर क्यों नहीं हुई?

डॉ अलका तिवारी
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, अनूपपुर

यह बहुत बड़ा अन्याय है, तत्काल एफआईआर के निर्देश दे रहा हूं।

हर्षल पंचोली
कलेक्टर, जिला अनूपपुर

मां नर्मदा की उद्गम स्थली अमरकंटक में भव्य नई प्रतिमा होगी विराजित

श्री कल्याण सेवा आश्रम अमरकंटक के सौजन्य से 11 फरवरी को वैदिक विधि-विधान से होगा प्राण प्रतिष्ठा समारोह

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। मध्यप्रदेश की जीवनदायिनी एवं करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था की प्रतीक मां नर्मदा की पावन उद्गम स्थली अमरकंटक स्थित श्री नर्मदा मंदिर में एक ऐतिहासिक एवं पुण्यकारी धार्मिक आयोजन होने जा रहा है। यहां पर वर्षों से विराजित नर्मदा उद्गम कुंड में पुरानी प्रतिमा के स्थान पर मां नर्मदा की नई, भव्य एवं दिव्य प्रतिमा को प्रतिष्ठित किया जाएगा। यह पुण्य कार्य श्री कल्याण सेवा आश्रम, अमरकंटक के सौजन्य से संपन्न होगा। श्री कल्याण सेवा आश्रम के प्रबंध न्यासी, श्री हिमाद्री मुनि महाराज जी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, 11 फरवरी बुधवार को प्रातः11 बजे मां नर्मदा की ग्रेनाइट पत्थर से निर्मित भव्य प्रतिमा को श्री नर्मदा मंदिर के उद्गम स्थल पर स्थित पुरानी प्रतिमा को बदल कर नयी प्रतिमा विधिवत रूप से विराजित किया जाएगा। मां नर्मदा की इस नवीन प्रतिमा की स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा का पावन कार्य श्री नर्मदा मंदिर अमरकंटक के विद्वान पुजारीगण पंडित कामता प्रसाद द्विवेदी, पंडित उमेश द्विवेदी सहित अन्य आचार्यगण द्वारा सम्पूर्ण वैदिक मंत्रोच्चार, शास्त्रोक्त विधि-विधान एवं धार्मिक अनुष्ठानों के साथ संपन्न कराया जाएगा। परम तपस्वी एवं संत शिरोमणि बाबा कल्याण दास जी महाराज के पावन दिशा-निर्देश एवं मार्गदर्शन में 9 फरवरी 2026 को विधिवत संकल्प लिया गया। संकल्प उपरांत आगामी 11 फरवरी को प्रतिमा स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा समारोह अमरकंटक के प्रकांड विद्वानों द्वारा श्रद्धा, भक्ति और विधि-विधान के साथ सम्पन्न किया जाएगा। इस ऐतिहासिक अवसर पर श्री कल्याण सेवा आश्रम अमरकंटक से जगदीश आनंद जी महाराज, स्वामी हर स्वरूप जी महाराज, स्वामी धर्मानंद जी महाराज, स्वामी सुंदरानंद जी महाराज, विनोद कारकी, रूपेश द्विवेदी, उत्तम द्विवेदी एवं अन्य पुजारी गण तथा पत्रकार उमाशंकर पांडे 'मुन्नू की उपस्थिति रही। मां नर्मदा की नवीन भव्य प्रतिमा की स्थापना से अमरकंटक की धार्मिक, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक गरिमा और अधिक बढ़ेगी। इस पावन आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं एवं संत समाज में विशेष उत्साह एवं उल्लास का वातावरण व्याप्त है। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के इस ऐतिहासिक धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना है आप सभी उपस्थित होकर पुण्य लाभ अर्जित करें।

भालूमाड़ा पुलिस ने बडे पैमाने पर हुई चोरी का किया खुलासा

हरिभूमि न्यूज भालूमाड़ा।

पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती-उर-रहमान के द्वारा थाना क्षेत्र में हो रही बडे पैमाने की हो रही चोरियों के संबंध में सभी थाना प्रभारियों को पता साजी तथा अज्ञात चोरों को पता कर पकडने तथा उनसे चोरी की जेवर एवं नगदी बरामद करने हेतु निर्देशित किया गया था फरियादी नागेन्द्र कुमार अवस्थी पिता रामदेव अवस्थी उम्र 44 वर्ष निवासी ग्राम बदरा थाना भालूमाडा के द्वारा दिनांक 20.01.2026 को सूचना दी गई थी कि एम.एन. सिंह पेट्रोल पम्प के मालिक संग्राम सिंह निवासी बदरा के परिवार सहित ईलाज कराने नागपुर चले गये है तथा घर में ताला बंद था दिनांक 19-20/01/2026 की रात्रि करीब 01.30 बजे से 2.30 बजे के बीच अज्ञात चोर घर का ताला तोड कर चोरी करने घर में घुस कर अलमारी में रखे सोने चांदी के जेवरात एवं नगदी चोरी कर ले गये है सामान अस्त व्यस्त पडा है मकान मालिक आने पर चोरी गये सामानों के बारे में जानकारी देंगे रिपोर्ट पर थाना भालूमाडा में अप.क्र. 24/2026 धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस कायम कर विवेचना की गई। मकान मालिक के घर में लगे सीसीटीव्ही कैमरा में चोरी की वारदात भी कैद हुई लेकिन तीन चोंरो द्वारा नकाब लगाये होने से पहचांन नही हो सकी तथा घर के बाहर चोरो के द्वारा पहुंचने के लिए इनोवा कार का उपयोग किया गया था तथा इनोवा कार में भी दो व्यक्ति बैठे दिख रहे थे।

विवेचना के दौरान फरियादी के द्वारा चोरी गये सोने चांदी के जेवरातों की सूची पुलिस को प्रस्तुत की गई थी विवेचना हेतु पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस टीम का गठन किया गया और पुलिस टीम के द्वारा अज्ञात चोर तथा

चोरी का माल पकडने के लिए दिन रात प्रयास करते हुए आस पास व रास्ते व टोल नाका के सभी सीसीटीव्ही फटेज खंगाले गये जिससे पता चला कि टोल नाका मैनटोला बिजुरी से एक इनोवा कार क्रमांक सीजी 16 सीजी 2914 दिनांक 20.01.2026 के रात्रि 03.35 बजे मनेन्द्रगढ तरफ जाती हुई दिख रही है तथा उसमें पांच लोग बैठे हुए है जिसके उपर संदेह करते हुए गाडी नम्बर का पता किया गया तो पता चला कि कुर्वान रजा खान पिता गुलबहार खान निवासी तिलईधार थाना सीतापुर सरगुजा छ.ग. के नाम से दर्ज है जो अपने उक्त इनोवा कार को अपने मामा ससुर जब्बीर खान पिता हाफिज खान उम्र 60 वर्ष निवासी ग्राम रायकेरा थाना सीतापुर को चलाने के लिए दिया था और जब्बीर खान अपने दोस्तों अनीश खान उर्फ गोल्डन पिता अमीन खान उम्र 26 वर्ष निवासी रायकेरा टोप्पोपारा थाना सीतापुर जिला सरगुजा, नंदलाल उर्फ नंदू गिरी पिता राम प्रसाद गिरी उम्र 32 वर्ष निवासी बालमपुर जंगलपारा थाना सीतापुर जिला सरगुजा एवं पास्टर उर्फ मानवेन्द्र लकड़ा निवासी नकना थाना सीतापुर जिला सरगुजा के द्वारा घटना दिनांक को उक्त वाहन से बदरा पहुंचकर फरियादी के घर का ताला तोड कर सोने चांदी का जेवरात अलमारी में रखे तोड खोल कर चोरी कर ले गये थे।

चोरों की पता तलास के दौरान वाहन मालिक कुर्वान रजा खान को पकड कर पूछताछ की गई जो बताया कि उसके मामा ससुर जब्बीर खान उसके दोस्त आरिफ खान, नंदलाल उर्फ नंदू गिरी, पास्टर उर्फ मानवेन्द्र लकडा, अनीश उर्फ गोल्डन सभी मिलकर चोरी किये है और चोरी के सोने चांदी के जेवरात अम्बिकापुर स्थित माँ अन्नपूर्ण ज्वेलर्स के मालिक नीरज सोनी पिता उमेश सोनी निवासी चांदनी चौक अम्बिकापुर को 9 लाख रुपये में बिक्री कर दिये है जिसमें उक्त जानकारी के पश्चात आरोपियों की धर पकड के दौरान आरोपी अनीश उर्फ गोल्डन, नंदलाल उर्फ नंदू गिरी, तथा वाहन मालिक कुर्बान खान रजा तथा चोरी के जेवरात खरीददार नीरज सोनी को गिरफ्तार कर पूछताछ की गई तो बताये कि दिनांक 20.01.02026 को दोपहर 2.30 बजे चोर जब्बीर खान, आरिफ खान और अनीश उर्फ गोल्डन के साथ मिलकर खरीददार नीरज सोनी को बिक्री कर दिये है तथा नीरज सोनी द्वारा गला कर अपने दुकान में नये जेवर तैयार कराकर बिक्री कर रहा है तथा कुछ सोने चांदी के जेवरात आरोपी जब्बीर खान एवं आरिफ खान अपने पास रख लिये है आरोपी खरीददार नीरज सोनी के कब्जे से एक 1 किलो 700 ग्राम चांदी के जेवरात जिसमें पायल कडा एवं बिछिया तथा सोने की एक चैन करीब 2 तोले जप्त कर कब्जे पुलिस लिया गया है तथा वाहन मालिक आरोपी कुर्बान रजा खान से उसकी इनोवा कार क्रमांक सीजी 16 सीजी 2914 को जप्त कर बिगडी हालत में होने से कोतवाली अंबिकापुर में खडी करा दिये है।

आरोपीगणों को पुलिस रिमाण्ड में रखा गया था जिन्हे आज दिनांक 09.02.2026 को न्यायिक रिमाण्ड में न्यायालय पेश किया गया है तथा आरोपी जब्बीर खान, आरिफ खान एवं पास्टर उर्फ मानवेन्द्र लकडा की पता तलास हेतु टीम गठित कर पता तलास की जा रही है मिलने पर शीघ्र आरोपियों की गिरफ्तारी कर शेष मसरुका जप्ती की कार्यवाही की जावेगी। उक्त अज्ञात चोरो को पकड कर चोरी का खुलासा करने पर पुलिस टीम थाना प्रभारी भालूमाडा उप निरी. विपुल शुक्ला, उप निरी. जे.पी. लकडा, उप निरी. डी.एस. बागरी, स.उ.नि. चन्द्रहास बांधेकर प्र.आर. 57 कृपाल सिंह, प्र.आर. 58 जितेन्द्र खलखो आर. 224 चक्रधर तिवारी, आर. 220 मकसूदन सिंह, आर. 217 प्रवीण भगत, आर. 477 प्रदीप यादव, आर. 310 धर्मेन्द्र यादव म.आर. 409 सुप्रिया त्रिपाठी, साईबर सेल प्रभारी प्र.आर. राजेन्द्र अहिरवार एवं आर. पंकज मिश्रा की सराहनीय भूमिका रही।

धारकुंडी आश्रम के संस्थापक सतगुरुदेव स्वामी परमहंस श्री सच्चिदानंद जी महाराज को दी गई समाधि

अंतिम दर्शन हेतु पहुंचे प्रदेश के मुखिया डॉ. मोहन यादव, उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

मां नर्मदा जी की उद्गम स्थली अमरकंटक स्थित परमहंस धारकुंडी आश्रम के संस्थापक परम पूज्य सतगुरुदेव भगवान स्वामी श्री सच्चिदानंद जी महाराज के परलोक गमन से संपूर्ण प्रदेश एवं देशभर में शोक की लहर व्याप्त है। आश्रम के संत स्वामी लवलीन जी महाराज ने जानकारी देते हुए कहा कि सतगुरुदेव का 07 जनवरी को मुंबई स्थित आश्रम (हॉस्पिटल) में निधन हो गया था। सतगुरुदेव के ब्रह्मलीन होने की सूचना मिलते ही उनके शिष्यों, भक्तों एवं प्रेमीजनों में गहरा शोक छा गया। उनके पार्थिव शरीर को मुंबई से जबलपुर लाया गया, तत्पश्चात जबलपुर से सड़क मार्ग द्वारा धारकुंडी आश्रम पहुंचाया गया, जहां अंतिम दर्शन के लिए पार्थिव शरीर को आश्रम परिसर में रखा गया। उनके पार्थिव शरीर के दर्शन हेतु पूरे रास्ते लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। इस दुख की घड़ी में हजारों भक्त रोते बिलखते उने अंतिम प्रणाम और दर्शन हेतु रास्ता जाम हो रहा था, प्रशासन की मदद से यात्रा आगे धीरे धीरे बढ़ रही थी। अंतिम दर्शन हेतु लाखों श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार को प्रदेश के मुखिया डॉ. मोहन यादव भी सतगुरुदेव के अंतिम दर्शन हेतु धारकुंडी आश्रम पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि "महाराज का परलोक गमन अत्यंत दुखद है। उनका संपूर्ण जीवन सेवा, साधना और मानवता के कल्याण को समर्पित रहा। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल अनुयायियों को यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें।" प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल भी सतगुरुदेव के अंतिम दर्शन हेतु आश्रम पहुंचे और कई घंटों तक आश्रम परिसर में रुककर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इस दुखत घटना पर स्वामी जी के छोटे गुरुभक्ति स्वामी अड़गड़ानंद जी महाराज भी खबर सुनते ही धारकुंडी पहुंच दर्शन किए। इस दौरान अनेक मंत्री, विधायक, जनप्रतिनिधि, साधु-संत एवं क्षेत्रवासी धारकुंडी पहुंचकर सतगुरुदेव भगवान को श्रद्धांजलि अर्पित करते रहे। 09 फरवरी को दोपहर 03 बजे धारकुंडी आश्रम परिसर में समस्त अनुयायियों, भक्तों एवं प्रेमीजनों की उपस्थिति में परम पूज्य स्वामी परमहंस श्री सच्चिदानंद जी महाराज को अश्रुपूर्ण वातावरण में समाधि दी गई। पूरे क्षेत्र सहित धारकुंडी आश्रम परिसर शोकमग्न वातावरण में डूबा नजर आया।

कलेक्टर ने अमरकंटक में आयोजित होने वाले मेले में व्यवस्थाओं हेतु अधिकारियों को सौंपा दायित्व

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी महाशिवरात्रि पर्व 15 फरवरी के अवसर पर पवित्र नगरी अमरकंटक में 14 फरवरी से 18 फरवरी तक वृहद महाशिवरात्रि मेला आयोजित किया जाएगा। मेले में श्रद्धालुओं एवं दर्शनार्थियों की काफी संख्या में भीड़ एकत्रित होगी। जिसे दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी हर्षल पंचोली ने मेले में आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु अधिकारियों को दायित्व सौंपा है। कलेक्टर ने वन मंडलाधिकारी अनूपपुर को मेला अवधि में यात्रियों की सुविधा हेतु जलाऊ लकड़ी, बेरीकेटिंग आदि के लिए बांस बल्ली की व्यवस्था कराए जाने, अनुविभागीय दंडाधिकारी पुष्पराजगढ़ को कानून व्यवस्था, आवश्यकतानुसार कर्मचारियों की ड्यूटी लगाने, समस्त उच्च विश्रामगृह एवं विश्रामगृह आरक्षित कराने, निजी धर्मशालाओं एवं आश्रमों में यात्रियों को सुविधा मुहैया कराए जाने, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अनूपपुर को मेला अवधि में एंबुलेंस मय आवश्यक दवाइयों सहित चिकित्सक दल, उपकरण आदि उपलब्ध कराए जाने, मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगर परिषद अमरकंटक को मेला अवधि में समुचित साफ सफाई, पेयजल की व्यवस्था, विद्युत व्यवस्था, अस्थाई चलित शौचालय, बेरिकेटिंग एवं मेला में स्थापित होने वाले झूला एवं अन्य उपकरणों की जांच सत्यापन आदि की व्यवस्था सुनिश्चित कराने, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग अनूपपुर को मेला मैदान के विभिन्न स्थलों में वेरीकेटिंग कराए जाने, कार्यपालन यंत्री जल संसाधन संभाग अनूपपुर को अमरकंटक स्थित पुष्कर डेम एवं अन्य डेमों की साफ-सफाई, मरम्मत, विभागीय प्रदर्शनी एवं स्टॉल की व्यवस्था, कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग अनूपपुर को मेला मैदान में सिंटेक्स की टंकी, पाइप लाइन, पानी टैंकरों, अस्थाई शौचालय, विभागीय प्रदर्शनी एवं स्टॉल की व्यवस्था, उप संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग अनूपपुर को यात्रियों के मनोरंजन के लिए शिक्षाप्रद एवं राष्ट्रीय फिल्मों का प्रदर्शन, प्रदर्शनी एवं स्टॉल की व्यवस्था कराए जाने का दायित्व सौंपा है। इसी प्रकार कलेक्टर ने सहायक संचालक उद्यान अनूपपुर को विभागीय प्रदर्शनी एवं स्टॉल आदि की व्यवस्था, जिला आपूर्ति अधिकारी को विभागीय प्रदर्शनी एवं स्टॉल की व्यवस्था, परियोजना प्रशासक एकीकृत आदिवासी विकास परियोजना पुष्पराजगढ़ को क्षेत्रीय सांस्कृतिक कार्यक्रम की व्यवस्था, विभागीय प्रदर्शनी एवं स्टॉल चलचित्र की व्यवस्था, जिला जनसंपर्क अधिकारी को मेला आयोजन के संबंध में प्रचार प्रसार, मीडिया सेंटर स्थापित करने, कार्यपालन अभियंता विद्युत विभाग अनूपपुर को मेला स्थल एवं अन्य आवश्यक स्थल पर स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था, विद्युत मीटर, विद्युत की निर्बाध आपूर्ति की व्यवस्था, मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद अमरकंटक एवं बरगवां को मेला अवधि में फायर ब्रिगेड, कचरा गाड़ी एवं चलित शौचालय उपलब्ध कराना, कमांडेंट जिला होमगार्ड कार्यालय अनूपपुर को मेला अवधि के दौरान स्नान कुंड, पुष्कर डेम, कबीर सरोवर, रामघाट आदि स्थलों पर आवश्यक तैराक एवं मधुमक्खियों से बचाव हेतु होमगार्ड उपलब्ध कराए जाने तथा अनुविभागीय अधिकारी दूरसंचार विभाग अनूपपुर को मेला अवधि के दौरान आवश्यक दूर संचार की व्यवस्था, कंट्रोल रूम के लिए पृथक से दूरसंचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने का दायित्व सौंपा है। कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि अनुविभागीय दंडाधिकारी पुष्पराजगढ़ उक्त मेला के नोडल अधिकारी होंगे जिनके निर्देशन में समस्त अधिकारी सौंपें गए दायित्वों का निर्वहन करेंगे।